मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 9 अंक 122
शनिवार, 14 नवम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

असम में काजीरंगा के पास बड़ा हादसा: मिनी बस और कंटेनर ट्रक की टक्कर; दुर्घटना में 23 लोगों की मौत, 20 घायल

काजीरंगा, 13 नवम्बर। असम में काजीरंगा नेशनल पार्क के पास शुक्रवार को बड़ा सड़क हादसा हुआ। यहां एक मिनी बस और कंटेनर ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में 23 लोगों की मौत हो गई है। वहीं पुलिस के मुताबिक, हादसे में 20 लोग घायल हैं।



एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसा कोहोरा रेंज में राष्ट्रीय राजमार्ग-715 पर हुआ। यह घटना हाथीकुली टी एस्टेट के पास रंगाजन इलाके में हुई। यहां यात्रियों से भरी मिनी बस की कंटेनर ट्रक से टक्कर हो गई। गोलाघाट के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक स्वप्ननिल डेका ने पीटीआई को बताया, हमें शुरूआती जानकारी मिली है कि हादसे में कम से कम 20 लोगों की मौत हुई है। हम सभी मौके पर मौजूद हैं। बस से शवों को बाहर निकाला जा रहा है। इसलिए मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि बस में कुल कितने लोग सवार थे, इसकी सही जानकारी अभी नहीं मिली है। हालांकि, शुरूआती रिपोर्ट के मुताबिक बस में 35 से ज्यादा यात्री सवार थे। एक अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायलों को कोहोरा मॉडल अस्पताल ले जाया गया। गंभीर रूप से घायल ज्यादातर लोगों को बोकोखात और गोलाघाट के अस्पतालों में भेजा गया। कुछ घायलों को जोरहाट मेडिकल कॉलेज और अस्पताल भी रेफर किया गया। अधिकारी ने बताया कि मरने वालों में दो महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से कई कॉलेज के छात्र थे। हादसे के समय वे अपनी कक्षाएं खत्म करके लौट रहे थे।

असम के पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री अतुल बोरा तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। वह इसी इलाके के विधायक भी हैं। वह राहत और बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे थे।

पुलिस अधिकारी ने बताया, बस बहुत तेज रफ्तार से चल रही थी। वह पार्क के पास लगाए गए गति संबंधी प्रतिबंधों का उल्लंघन कर रही थी। हमें शक है कि मिनी बस के चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। इसके बाद बस कंटेनर ट्रक से टकरा गई।

कर्नाटक को 15,600 करोड़ की सौगात, पीएम मोदी ने शुरू की पिंक लाइन मेट्रो और वंदे भारत

बेंगलुरु, 13 नवम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन का उद्घाटन किया, बेंगलुरु-मंगलुरु-मडगांव वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई और 15,600 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की शुरूआत की। प्रधानमंत्री मोदी ने तवारेकेरे और आईआईएम बैंगलोर मेट्रो स्टेशन के बीच हाल ही में खुले 7.5 किलोमीटर लंबे हिस्से में सफर किया। उनके साथ कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, राज्यपाल सुधा यादव, बेंगलुरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या और मंत्री केबी गौड़ा भी मौजूद थे। मेट्रो में चढ़ने से पहले, प्रधानमंत्री ने काउंटर पर वढकका इस्तेमाल करके टिकट खरीदा। सेवाओं को हरी झंडी दिखाते समय, प्रधानमंत्री ने शिवकुमार का हाथ थाम लिया और दोनों नेताओं ने मिलकर झंडा लहराकर 'पिंक लाइन' सेवाओं की शुरूआत की। इस दौरान दोनों एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराते और हल्के-फुल्के अंदाज में बातचीत करते भी दिखे। कलेना अग्रहारा को तवारेकेरे से जोड़ने वाली 'पिंक लाइन' को लगभग 3,470 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। इसके उद्घाटन से बेंगलुरु के विस्तार करते मेट्रो नेटवर्क में एक और कॉरिडोर जुड़ गया है। रेलवे क्षेत्र में प्रधानमंत्री ने बेंगलुरु-मंगलुरु-मडगांव वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। इससे बेंगलुरु, तटीय कर्नाटक और गोवा के बीच कनेक्टिविटी और तेज होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत चार पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों - चामराजनगर, चिकमगलूर, सकलेशपुर और सुब्रह्मण्य रोड - का उद्घाटन किया। इसके अलावा, उन्होंने 284 किलोमीटर लंबी गदग-होस्पेट दोहरीकरण परियोजना के हिस्से के रूप में 45 किलोमीटर लंबी बागलकोट-वंडल रेलवे लाइन के दोहरीकरण खंड, और 55 किलोमीटर लंबे सकलेशपुर-सुब्रह्मण्य रोड घाट रेलवे खंड के विद्युतीकरण कार्य को राष्ट्र को समर्पित किया। प्रधानमंत्री की कर्नाटक यात्रा के दौरान 15,600 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई बुनियादी ढांचा और विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शुभारंभ भी किया गया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री ने कोप्पल-कक्क और गदग-कक्कमें 'नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों के एकीकरण के लिए ट्रांसमिशन योजना (चरण-II)' का उद्घाटन किया, जिसे लगभग 4,450 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है। उन्होंने बीदर में सौर ऊर्जा क्षेत्र के लिए ट्रांसमिशन योजना का भी उद्घाटन किया।

कांग्रेस कहती थी तिजोरी खाली है, भाजपा सरकार कहती है तिजोरी बहनों और अन्नदाताओं की है : ज्योतिरादित्य सिंधिया

पिछोर (शिवपुरी), मध्यप्रदेश, 13 नवम्बर। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को शिवपुरी जिले के पिछोर में आयोजित मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार के समय अक्सर कहा जाता था कि प्रदेश की तिजोरी खाली है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी की सरकार का स्पष्ट संकल्प है कि प्रदेश की तिजोरी बहनों, किसानों, युवाओं और गरीबों के कल्याण के लिए है।उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में योजनाओं का पैसा बिचौलियों के बजाय सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में पहुंच रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार महिलाओं, किसानों, युवाओं और गरीबों को

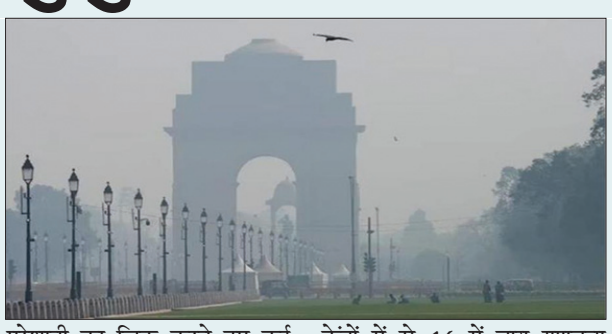


आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत प्रदेश की 1.24 करोड़ से अधिक बहनों के खातों में 1,831 करोड़ से अधिक की राशि तथा स्व-सहायता समूहों को 200 करोड़ से अधिक के ऋण का सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरण किया गया। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि यह उनके लिए अत्यंत प्रसन्नता और संतोष का विषय है कि प्रदेश की करोड़ों बहनों को आर्थिक संबल मिल रहा है। लाड़ली बहना योजना केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण अभियान है। जब बहनें आर्थिक रूप से मजबूत होती हैं, तो परिवार और समाज भी मजबूत होता है। उन्होंने सभी लाड़ली बहनों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूहों को उपलब्ध कराया जा रहा ऋण महिलाओं के लिए स्वरोजगार, उद्यमिता और आर्थिक आत्मनिर्भरता के नए अवसर तैयार करेगा। सरकार का उद्देश्य महिलाओं को केवल योजनाओं का लाभार्थी बनाना नहीं, बल्कि उन्हें विकास की मुख्यधारा में नेतृत्वकारी भूमिका प्रदान करना है।

दिल्ली की हवा लगातार जहरीली ; 16 निगरानी केंद्रों पर वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज की गई

नई दिल्ली, 13 नवम्बर। दिल्ली की वायु गुणवत्ता शुक्रवार को 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज की गई और शाम चार बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 373 दर्ज किया गया। राष्ट्रीय राजधानी में धुंध की घनी चादर छाए रहने के कारण दृश्यता का स्तर कम हो गया। इस बीच, कई निवासियों ने सांस लेने में दिक्कत और श्वसन संबंधी परेशानी की शिकायत की। दिनभर शहर में धुंध की घनी भूरी चादर छाई रही, जिससे कई इलाकों में दृश्यता का स्तर कम हो गया। सुबह के समय धुंध का असर विशेष रूप से अधिक था। प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों और हवा की धीमी गति के कारण प्रदूषक तत्व जमीन के करीब ही जमा रहे।

धुंध के बीच सांस लेने में हो रही



परेशानी का जिक्र करते हुए कई निवासियों ने सोशल मीडिया पर अपने अनुभव साझा किये। उन्होंने गले में खराश, लगातार खांसी, सीने में तकलीफ और सांस फूलने की शिकायत की। कुछ लोगों ने प्रदूषण का स्तर लगातार अधिक बने रहने के कारण घरों के अंदर भी सांस लेने में परेशानी होने पर चिंता जताई। आंकड़े दर्ज करने वाले 59 निगरानी केंद्रों में से 16 में वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज की गई जबकि शेष केंद्रों में से एक को छोड़कर सभी में यह 'बहुत खराब' श्रेणी में रही।

दिल्ली कैंट में वायु गुणवत्ता 'मध्यम' श्रेणी में दर्ज की गई। आईआईटी, दिल्ली में एक्यूआई सबसे अधिक 452 दर्ज किया गया। इसके बाद दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस में 446, नरेला और पूसा में 437-437 तथा पंजाबी बाग में 431 एक्यूआई दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर ऐप के अनुसार, शहर की वायु गुणवत्ता इस मौसम में पहली बार शुक्रवार सुबह 'गंभीर' श्रेणी में पहुंच गई। सुबह छह बजकर पांच मिनट पर एक्यूआई 403 पर पहुंच गया और सुबह आठ तथा नौ बजे भी इसी स्तर पर बना रहा। सुबह आठ बजे तक आंकड़े दर्ज करने वाले 58 निगरानी केंद्रों में से 33 में वायु गुणवत्ता 'गंभीर' श्रेणी में, 24 में 'बहुत खराब' श्रेणी में और एक केंद्र में 'मध्यम' श्रेणी में दर्ज की गई।

आईआईटी, दिल्ली में वायु गुणवत्ता सबसे खराब रही और वहां एक्यूआई 488 दर्ज किया गया। इसके बाद चांदनी चौक में 479 और नॉर्थ कैंपस में 478 एक्यूआई दर्ज किया गया। बुराड़ी क्रॉसिंग में एक्यूआई 456 रहा, जबकि आईटीओ और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) दोनों में यह 451 दर्ज किया गया। दिल्ली के रेनबो चिल्ड्रन्स अस्पताल में बाल श्वसन रोग, एलर्जी और नींद संबंधी समस्याओं के विशेषज्ञ सलाहकार डॉ. निखिल राजवंशी ने कहा कि बच्चे वायु प्रदूषण के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील होते हैं, क्योंकि उनके फेफड़े, श्वसन मार्ग और प्रतिरक्षा प्रणाली अभी विकसित हो रहे होते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों की सांस लेने की गति वयस्कों की तुलना में तेज होती है, इसलिए वे अपने शरीर के वजन के अनुपात में अधिक प्रदूषक तत्व सांस के जरिए अंदर लेते हैं।

राष्ट्र निर्माण के लिए आर्थिक प्रगति के साथ मूल्य भी जरूरी : राजनाथ सिंह

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 13 नवंबर को लखनऊ में 'ब्रह्माकुमारीज दिव्य संस्कृति भवन' का उद्घाटन किया। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी मौजूद थे। सभा को संबोधित करते हुए, रक्षा मंत्री ने छठ पर्व की शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि यह नया केंद्र आध्यात्मिकता का प्रसार करेगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं आप सभी को छठ के महान पर्व की शुभकामनाएं देता हूँ। यह त्योहार भगवान सूर्य को समर्पित है। आज इस अवसर पर 'दिव्य संस्कृति भवन' का उद्घाटन किया गया है। सूर्य की तरह ही, यह भवन भी लखनऊ, पूरे देश और दुनिया भर में आध्यात्मिकता का प्रकाश फैलाने में मदद करेगा। चार दिनों तक चलने वाला छठ पूजा का त्योहार शुक्रवार को 'नहाय-खाय' के साथ शुरू होता है। इसके बाद 'खरना', 'संध्या अर्घ्य' और 'ऊषा अर्घ्य' की परंपराएं



आती हैं। सूर्य देव और छठी मैया को समर्पित यह त्योहार पवित्रता, भक्ति और कृतज्ञता का प्रतीक है। इसमें श्रद्धालु अपने परिवार की सेहत, समृद्धि और खुशहाली के लिए आशीर्वाद मांगते हैं। त्योहार के क्रम में 14 नवंबर को 'खरना' होगा, और फिर 15 नवंबर को 'संध्या अर्घ्य' दिया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु डूबते हुए सूर्य की पूजा करेंगे। 16 नवंबर को 'ऊषा अर्घ्य' के साथ इस त्योहार का समापन होगा, जब श्रद्धालु उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देंगे। आर्थिक विकास के साथ-साथ मूल्यों के महत्व पर जोर देते हुए, सिंह ने समाज में 'ब्रह्माकुमारीज' की भूमिका के बारे में बात की।

एयर इंडिया: रियाद और दम्मम के लिए 30 नवंबर तक उड़ान रद्द, जेद्दा सेवा 21 तक बंद

नई दिल्ली, 13 नवम्बर। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने शुक्रवार को घोषणा की कि उन्होंने क्षेत्र के मौजूदा हालात को देखते हुए रियाद और दम्मम के लिए (और वहां से आने वाली) उड़ानों को 30 नवंबर तक, तथा जेद्दा के लिए उड़ानों को 21 नवंबर तक निलंबित कर दिया है। एक्स पर एक आधिकारिक पोस्ट में एयर इंडिया ने बताया कि इन दोनों एयरलाइंस की सऊदी अरब के शहरों से जुड़ने वाली उड़ानों के लिए यह निलंबन लागू रहेगा। जिन यात्रियों के पास 10 नवंबर या उससे पहले की कन्फर्म बुकिंग है, और जिनकी यात्रा की तारीख रियाद और दम्मम के लिए 30 नवंबर तक, तथा जेद्दा के लिए 21 नवंबर तक है, वे उपलब्धता के आधार पर अपनी यात्रा को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के रीशेड्यूल (पुनर्निर्धारित) कर सकते हैं, या



बुकिंग रद्द करके पूरा रिफंड ले सकते हैं। एयरलाइन ने बताया कि एयर इंडिया के यात्री सऊदी अरब में एयर इंडिया के किसी भी चालू स्टेशन से या वहां तक की अपनी यात्रा को रीशेड्यूल कर सकते हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस के यात्रियों के पास सऊदी अरब या बहरीन में एयर इंडिया एक्सप्रेस के किसी भी चालू स्टेशन से या वहां तक की यात्रा को रीशेड्यूल करने का विकल्प होगा।

रियाद और दम्मम की बुकिंग वाले यात्री 14 दिसंबर 2026 तक अपनी यात्रा पूरी कर सकते हैं, जबकि जेद्दा की बुकिंग वाले यात्री 5 दिसंबर 2026 तक अपनी यात्रा को रीशेड्यूल कर सकते हैं। यात्रा को रीशेड्यूल करने या रिफंड पाने में सहायता के लिए, एयर इंडिया के यात्री एयरलाइन से +91 11 69329333 या +91 11 69329999 पर संपर्क कर सकते हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस के यात्री +91 124 6935600 पर उनकी सपोर्ट टीम से संपर्क कर सकते हैं। यात्री मदद के लिए एयरलाइन के सिटी बुकिंग ऑफिस भी जा सकते हैं। यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब यमन के हूथी मिलिशिया ने शुक्रवार को सऊदी अरब को निशाना बनाकर कई ड्रोन और मिसाइल हमले करने का दावा किया। इन हमलों में रियाद में अरामको की सुविधाएं, शरूराह एयरपोर्ट पर एक मिलिट्री कार्गो विमान और खमीस मुशैत एयर बेस शामिल थे।

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
— Since 1992 —
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai 400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध



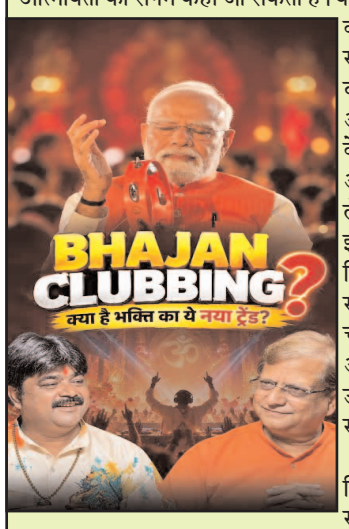
Wish you a very happy
Diwali & New Year
शुभ दीपावली, भैया दूज
और महापर्व छठ पूजा की हार्दिक बधाई।
Clean Green Energy
PURE GAS PRODUCT
O2
For oxygen, nitrogen, hydrogen, argon, CO2, D/A, Helium & Spl. Gases
ONLY TRUSTED AND FRIENDLY NAME IN BOISAR - TARAPUR
Safe, Reliable & High Quality Gases for a Better Tomorrow
Quality Assurance
Trusted Service
On Time Delivery
Go Green Save Earth
Proprietor: Mr. Varoon Chaube
Mobile no: 7798320789 / 9561533984 / 869870568
Address: W-12 MIDC Tarapur, near Camlin Naka.

भजन क्लबिंग: भक्ति की क्लब संस्कृति की नई दस्तक



-ललित गर्ग

अध्यात्म अब केवल उम्र के आखिरी पड़ाव की चीज नहीं रहा। वह युवाओं की धड़कनों में शामिल हो रहा है। डिजिटल युग की भागदौड़, अकेलेपन, तनाव और निरंतर स्क्रीन-उपस्थिति के बीच नई पीढ़ी भक्ति के ऐसे रूप तलाश रही है, जो उसके जीवन की गति और उसकी अभिव्यक्ति से जुड़ सकें। इसी बदलते सामाजिक परिदृश्य में ह्यभजन क्लबिंगह्ल एक नई और रोचक सांस्कृतिक प्रवृत्ति के रूप में सामने आई है। भजन क्लबिंग का अर्थ है- भजन, कीर्तन और भक्ति-संगीत को पारंपरिक धार्मिक आयोजन की सीमाओं से बाहर निकालकर ऐसे सामूहिक वातावरण में प्रस्तुत करना, जहाँ युवा गाते हैं, झूमते हैं, नृत्य करते हैं और संगीत की लय में स्वयं को विसर्जित करते हैं। वातावरण में आधुनिक संगीत की ऊर्जा होती है, लेकिन केंद्र में भक्ति रहती है। इसे एक तरह से क्लब की ऊर्जा और सत्संग की आत्मीयता का संगम कहा जा सकता है। यह बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण है



क्योंकि लंबे समय से यह धारणा रही है कि धर्म और अध्यात्म वृद्ध पीढ़ी के विषय हैं। नई पीढ़ी आधुनिकता, तर्क और तकनीक के साथ आगे बढ़ते हुए धार्मिक अनुष्ठानों से दूरी बना रही है। लेकिन भजन क्लबिंग का उभार इस धारणा को चुनौती देता दिखाई दे रहा है। युवा यह कह रहे हैं कि आध्यात्मिकता चाहिए, लेकिन उसकी अभिव्यक्ति उनकी भाषा और उनके समय के अनुरूप भी हो सकती है।

भारत में क्लब संस्कृति का विकास मुख्यतः मनोरंजन, संगीत, नृत्य और सामाजिक मेल-जोल के माध्यम के रूप में हुआ। देर रात तक चलने वाले कार्यक्रमों में तेज संगीत, चमकती रोशनी और आधुनिक जीवनशैली का प्रभाव दिखाई देता रहा। अब उसी सामाजिक ढाँचे में भक्ति का प्रवेश अपने आप में सांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत है। भजन क्लबिंग में सामान्यतः शराब, धूम्रपान और नशीले पदार्थों के स्थान पर भक्ति-संगीत, सामूहिक गायन और सकारात्मक ऊर्जा को महत्व दिया जाता है। यह अंतर बहुत महत्वपूर्ण है। युवा यदि रात के समय मनोरंजन के लिए बाहर निकलते हैं तो उन्हें ऐसा विकल्प मिलना, जहाँ आनंद के साथ आत्मिक जुड़ाव भी हो, निश्चित रूप से विचारणीय है। इसमें एक और महत्वपूर्ण पक्ष है-सामूहिकता। सोशल मीडिया ने लोगों को आभासी रूप से जोड़ दिया है, लेकिन वास्तविक जीवन में अकेलापन बढ़ा है। हजारों डिजिटल मित्रों के बावजूद मनुष्य कई बार स्वयं को अकेला पाता है। भजन क्लब में अनजान लोग भी एक स्वर में गाते हैं। कुछ समय के लिए मोबाइल दूर होता है और मनुष्य मनुष्य के निकट आता है। यह अनुभव मानसिक स्तर पर भी राहत दे सकता है।

आज का युवा केवल उपदेश सुनना नहीं चाहता, वह अनुभव करना चाहता है। वह किसी बात को इसलिए स्वीकार नहीं करता कि परंपरा ऐसा कहती है। वह जानना चाहता है-इससे मुझे क्या मिलेगा? भजन क्लबिंग इसी प्रश्न का एक व्यावहारिक उत्तर देती प्रतीत होती है। संगीत मनुष्य की भावनाओं को सीधे प्रभावित करता है। सामूहिक गायन में व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत सीमाओं से ऊपर उठकर समूह का हिस्सा बन जाता है। जब सैकड़ों लोग एक साथ राम, महावीर, शिव, कृष्ण या किसी अन्य आराध्य का स्मरण करते हैं तो वातावरण में सामूहिक ऊर्जा पैदा होती है। जैन दृष्टि से देखें तो भक्ति का मूल उद्देश्य केवल बाहरी उल्लास नहीं, बल्कि आत्मा की ओर यात्रा है। नवकार मंत्र, स्तवन, भक्तामर, मंगल पाठ या तीर्थंकरों की स्तुति यदि संगीत के माध्यम से युवा मन तक पहुँचती है तो यह स्वागतयोग्य प्रयोग हो सकता है-बशर्ते भक्ति मनोरंजन में विलीन न हो जाए। यहीं इस पूरी प्रवृत्ति की सबसे बड़ी कसौटी है। भारत के सार्वजनिक जीवन में भी पिछले कुछ वर्षों में आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक चेतना की सार्वजनिक अभिव्यक्ति अधिक दिखाई देने लगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अनेक राष्ट्रीय नेता और सार्वजनिक व्यक्तित्व भारतीय परंपरा, योग, ध्यान, मंदिरों, तीर्थों, भक्ति और सांस्कृतिक विरासत से जुड़े कार्यक्रमों में सक्रिय दिखाई देते हैं। इससे नई पीढ़ी के बीच यह संदेश गया है कि आधुनिकता और आध्यात्मिकता परस्पर विरोधी नहीं हैं। लेकिन यहाँ यह भी समझना होगा कि किसी राजनीतिक या लोकप्रिय व्यक्तित्व की उपस्थिति किसी आध्यात्मिक प्रवृत्ति की सफलता का अंतिम प्रमाण नहीं हो सकती। किसी भी आंदोलन की वास्तविक शक्ति उसके चरित्र-निर्माण और सामाजिक प्रभाव में होती है। यदि भजन क्लबिंग युवाओं को नशे से दूर करती है, मानसिक तनाव कम करती है, परिवार से जोड़ती है, सेवा की प्रेरणा देती है और जीवन में संयम पैदा करती है, तभी इसकी सार्थकता सिद्ध होगी। हर नई लोकप्रिय प्रवृत्ति के साथ कुछ जोखिम भी जुड़े होते हैं। सबसे बड़ा खतरा यह है कि भक्ति धीरे-धीरे केवल एक फैशनेबल इवेंट बनकर रह जाए। यदि उद्देश्य आत्मिक शांति के बजाय केवल तेज संगीत, रोशनी, नृत्य और मनोरंजन रह गया तो भजन क्लबिंग और सामान्य क्लब संस्कृति के बीच अंतर धीरे-धीरे समाप्त हो सकता है। दूसरा खतरा व्यावसायीकरण का है। यदि भक्ति के नाम पर महंगे टिकट, प्रायोजक, ब्रांडिंग और दिखावे की संस्कृति हावी हो गई तो आध्यात्मिकता बाजार की वस्तु बन सकती है। तीसरा खतरा किसी व्यक्ति, समूह या शैली के प्रति अंधानुकरण का है। समुदाय बनाना अच्छी बात है, लेकिन समुदाय यदि विचार-विमर्श के बजाय अंध-समर्पण पैदा करने लगे तो वह स्वस्थ आध्यात्मिकता नहीं रह जाता। चौथा प्रश्न संगीत की तीव्रता का है। आध्यात्मिकता का अर्थ हमेशा धीमा संगीत नहीं है और तेज संगीत अपने आप में आध्यात्मिकता-विरोधी भी नहीं है। भक्ति परंपरा में नृत्य, कीर्तन और उत्सव का अपना स्थान रहा है। लेकिन यदि ध्वनि इतनी तीव्र हो जाए कि मन भीतर की ओर जाने के बजाय उत्तेजना में उलझ जाए, तो मूल उद्देश्य कमजोर पड़ सकता है।

इस पूरी बहस का सबसे महत्वपूर्ण बिंदु यही है कि अध्यात्म बाहरी अभिव्यक्ति से आगे की यात्रा है। भजन क्लब में दो घंटे झूमना अच्छी अनुभूति दे सकता है, लेकिन उसका वास्तविक मूल्य तब होगा जब उस अनुभव का असर अगले दिन के जीवन में दिखाई दे। प्रश्न है कि इस भजन-संस्कृति में डूबने से क्या युवा अधिक संयमी हुआ? क्या उसके व्यवहार में करुणा बढ़ी? क्या वह माता-पिता के प्रति अधिक सम्मानशील हुआ? क्या वह नशे से दूर हुआ? क्या उसके भीतर सेवा की भावना पैदा हुई? क्या क्रोध कम हुआ? क्या वह प्रकृति और समाज के प्रति संवेदनशील हुआ? यदि इन प्रश्नों के उत्तर हाँ में हैं, तो भजन क्लबिंग केवल मनोरंजन नहीं, आध्यात्मिक सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बन सकती है। आने वाले वर्षों में भजन क्लबिंग का विस्तार निश्चित रूप से नए रूपों में हो सकता है। मंदिरों, आध्यात्मिक संस्थाओं, विश्वविद्यालयों और युवा संगठनों द्वारा संगीत, ध्यान, योग, संवाद और सेवा को जोड़कर नए कार्यक्रम विकसित किए जा सकते हैं। लेकिन इसके लिए एक स्पष्ट सूत्र होना चाहिए-आधुनिक प्रस्तुति हो, लेकिन आध्यात्मिक मूल्यों से समझौता न हो। भक्ति को युवा बनाना आवश्यक है, लेकिन भक्ति की आत्मा को युवा बनाने की आवश्यकता नहीं है। वह सनातन है, वह शाश्वत है, वह सार्वकालिक, सार्वभैमिक एवं सार्वदेशिक है, आवश्यकता केवल उसकी भाषा, प्रस्तुति और पहुँच को समयानुकूल बनाने की है। भजन क्लबिंग इसलिए एक अवसर भी है और चुनौती भी। अवसर इस बात का कि आधुनिक युवा को धर्म और अध्यात्म से जोड़ने का एक नया द्वार खुला है। चुनौती इस बात की कि कहीं यह द्वार बाजारवाद, दिखावे, अपसंस्कृति और अति-मनोरंजन का प्रवेशद्वार न बन जाए। अंततः भजन क्लबिंग की सफलता इस बात से तय नहीं होगी कि कितने युवा संगीत पर झूमे, बल्कि इससे होगी कि कितने युवा अपने भीतर झाँकने लगे। यदि क्लब की ऊर्जा आत्मा की शांति तक पहुँचाती है, संगीत मन को निर्मल करता है और भक्ति जीवन को बेहतर बनाने की प्रेरणा देती है, तो यह केवल नई पीढ़ी का नया फैशन नहीं, बल्कि आधुनिक समय में अध्यात्म की नई दस्तक है और यदि भक्ति मंच से उतरकर व्यवहार में आ गई, तो सचमुच कहा जा सकेगा-क्लब में संगीत बदला है, लेकिन उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण यह है कि जीवन का संगीत बदलने लगा है।

उत्तर प्रदेश की सियासी बिसात पर सामाजिक परिवर्तन मोर्चे: नई उम्मीद या वोटों का बिखराव



अशोक भाटिया

उत्तर प्रदेश की राजनीति हमेशा से नए प्रयोगों, सामाजिक गोलबंदी और जटिल जातीय समीकरणों की प्रयोगशाला रही है। आगामी विधानसभा चुनावों की सरगर्मियों के तेज होने के साथ ही सूबे में सियासी बिसात नए सिरे से बिछने लगी है। इसी कड़ी में लखनऊ में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद का एक मंच पर आना एक बेहद महत्वपूर्ण और चौंकाने वाला राजनीतिक घटनाक्रम है। ह्यसामाजिक परिवर्तन मोर्चाह्ल के बैनर तले राज्य की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने और चंद्रशेखर आजाद को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने का यह फैसला केवल एक साधारण चुनावी तालमेल नहीं है, बल्कि यह प्रदेश की स्थापित और पारंपरिक राजनीति को सीधी चुनौती देने का एक महत्वाकांक्षी प्रयास है। लेकिन भारतीय लोकतंत्र की चुनावी जटिलताओं के बीच सबसे बड़ा और स्वाभाविक सवाल यही उठता है कि ह्यजय मीम, जय भीमह्ल के लोकप्रिय नारे पर खड़ा यह नया गठबंधन आखिर किसका राजनीतिक भविष्य संवारेगा और किसका बना-बनाया चुनावी खेल बिगाड़ेगा?

उत्तर प्रदेश की सामाजिक और जनसांख्यिकीय संरचना को बारीकी से देखें तो दलित और मुस्लिम मतदाता मिलकर किसी भी राजनीतिक दल या गठबंधन की जीत और हार तय करने की निर्णायक ताकत रखते हैं। आजादी के बाद से दशकों तक इस विशाल सामाजिक गठजोड़ का सीधा लाभ कभी कांग्रेस को मिला, तो कभी बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी ने इसके दम पर सत्ता के शीर्ष तक का सफर तय किया। हालांकि, समय बीतने के साथ इन दोनों वंचित और अल्पसंख्यक समुदायों के भीतर यह गहरी भावना घर करने लगी कि वे केवल दूसरे दलों को सत्ता तक पहुंचाने की सीढ़ी बनकर रह गए हैं। उन्हें हमेशा एक सुरक्षित वोट बैंक के रूप में तो इस्तेमाल किया गया, लेकिन सत्ता की मलाई और नीति-निर्माण में उनकी आबादी के अनुपात में वास्तविक राजनीतिक हिस्सेदारी नहीं मिली। असदुद्दीन ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद की यह नई जोड़ी इसी ऐतिहासिक असंतोष और उपेक्षा की भावना को अपनी सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत बनाने की कोशिश कर रही है। वे इन समुदायों को एक ऐसे स्वतंत्र नेतृत्व का सपना दिखा रहे हैं, जहां सियासी फैसले किसी बड़े दल के रहमोकरम पर नहीं, बल्कि खुद वंचित और अल्पसंख्यक समाज के प्रतिनिधियों के हाथ में हों।

इस नए मोर्चे के चुनावी मैदान में उतरने से सबसे बड़ी और तत्काल बेचैनी समाजवादी पार्टी के खेमे में दिखाई देना स्वाभाविक है। पिछले कुछ वर्षों में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ह्यपीडीएह्ल यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक के जिस सामाजिक समीकरण को बड़ी मेहनत से गढ़ा था, उसने हालिया चुनावों में पार्टी को नई संजीवनी प्रदान की थी। मुस्लिम मतदाताओं का लगभग एकमुश्त समर्थन और दलितों के एक महत्वपूर्ण हिस्से का जुड़ाव समाजवादी पार्टी की सबसे बड़ी चुनावी पूंजी बन गया था। अखिलेश यादव इसी फॉर्मूले के दम पर आगामी विधानसभा चुनावों में सत्ता वापसी का सपना देख रहे हैं। लेकिन अब यदि ओवैसी मुस्लिम युवाओं, बुद्धिजीवियों और शहरी मतदाताओं के बीच अपनी वैचारिक पैठ बढ़ाने में सफल रहते हैं, और दूसरी तरफ चंद्रशेखर आजाद पश्चिमी उत्तर प्रदेश से लेकर पूर्वांचल तक युवा दलितों को अपने आक्रामक नेतृत्व के साथ जोड़ने में कामयाब होते हैं, तो यह

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

सीधे तौर पर सपा के अभेद्य माने जा रहे ह्यपीडीएह्ल किले में बड़ी सेंधमारी होगी। अखिलेश यादव के सामने यह एक बेहद जटिल और दोहरी रणनीतिक चुनौती है। यदि वे इस नए मोर्चे पर सीधा और तीखा राजनीतिक हमला बोलते हैं, तो उन पर दलित और मुस्लिम नेतृत्व को दबाने का आरोप लग सकता है। वहीं, यदि वे इस गठबंधन के प्रति नरम या उदासीन रुख अपनाते हैं, तो उनका अपना कोर वोट बैंक खिसकने का खतरा लगातार बना रहेगा। दूसरी तरफ, बहुजन समाज पार्टी के लिए यह गठबंधन किसी अस्तित्व के संकट से कम नहीं है। मायावती की पार्टी पिछले एक दशक से अपने लगातार घटते जनाधार, बिखरते संगठन और नेतृत्व की निष्क्रियता से जूझ रही है। ऐसे कठिन दौर में चंद्रशेखर आजाद का उभार और सड़क पर उतरकर अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने की उनकी जुझारू छवि उन्हें बसपा के पारंपरिक मतदाताओं के बीच एक स्वाभाविक और ऊजार्वान विकल्प के रूप में पेश कर रही है। अब असदुद्दीन ओवैसी के साथ आने से इस विकल्प को एक नया राजनीतिक विस्तार और मजबूती मिली है। बसपा की पुरानी सोशल इंजीनियरिंग का सबसे मजबूत स्तंभ दलित-मुस्लिम एकता ही हुआ करती थी। यदि बसपा का बचा-खुचा दलित और मुस्लिम वोट बैंक इस नए ह्यसामाजिक परिवर्तन मोर्चाह्ल की ओर मुड़ता है, तो आने वाले विधानसभा चुनावों में हाथी की चाल और अधिक सुस्त पड़ सकती है। इसी प्रकार, कांग्रेस पार्टी जो उत्तर प्रदेश में अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन को वापस पाने के लिए पूरी तरह से समाजवादी पार्टी की बैसाखी के सहारे आगे बढ़ रही है, उसके लिए भी यह मोर्चा एक नई और गंभीर बाधा है। विपक्षी वोटों में होने वाला कोई भी छोटा या बड़ा विभाजन कांग्रेस और ह्यइंडियाह्ल गठबंधन की चुनावी संभावनाओं को कमजोर करने का ही काम करेगा। भारतीय राजनीति का यह एक सीधा और आजमाया हुआ नियम है कि जब विपक्ष के वोट कई हिस्सों में बंटते हैं, तो उसका सबसे बड़ा और सीधा फायदा सत्ताधारी दल को मिलता है। भारतीय जनता पार्टी के चुनावी रणनीतिकार निश्चित रूप से इस नए मोर्चे के उदय को अपने लिए एक सकारात्मक और राहत भरे संकेत के रूप में देख रहे होंगे। उत्तर प्रदेश की चार सौ तीन विधानसभा सीटों में से दर्जनों सीटें ऐसी हैं, जहां हार और जीत का अंतर महज कुछ हजार वोटों का होता है। ऐसे कांटे के मुकाबलों वाली सीटों पर यदि ह्यसामाजिक परिवर्तन मोर्चाह्ल दस से बीस हजार वोट भी हासिल करने में कामयाब हो जाता है, तो वह भले ही खुद चुनाव जीतने की स्थिति में न पहुंचे, लेकिन सपा-कांग्रेस गठबंधन के उम्मीदवारों का चुनावी गणित बिगाड़ने के लिए इतना वोट पर्याप्त होगा। यही कारण है कि मुख्य विपक्षी दल अभी से इस नए मोर्चे को सत्ताधारी दल की मदद करने वाला गठबंधन या ह्यवोट कटवाह्ल बताकर अपने पारंपरिक मतदाताओं को सचेत और लामबंद करने की रणनीति पर काम करने लगे हैं।

हालांकि, सियासी मंचों से दिए जाने वाले जोशीले भाषणों, तालियों की गड़गड़ाहट और वास्तविक चुनावी हकीकत के बीच हमेशा एक बहुत बड़ी खाई होती है। ओवैसी और चंद्रशेखर की जोड़ी के सामने सबसे बड़ी और जटिल चुनौती जमीनी स्तर पर दोनों समुदायों के वोटों को एक-दूसरे के उम्मीदवारों को सहजता से ट्रांसफर कराने की है। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में कई बार दलित और मुस्लिम समाज के बीच स्थानीय स्तर पर सामाजिक, आर्थिक और वर्चस्व के हितों का टकराव देखने को मिलता है। ऐसे में लखनऊ के किसी भव्य हॉल में दो शीर्ष नेताओं के हाथ मिलाने भर से गांव की चौपाल और मोहल्लों में दोनों समाज के मतदाता एक-दूसरे के साथ खड़े हो जाएंगे, यह मान लेना राजनीतिक रूप से जल्दबाजी होगी। इसके अतिरिक्त, उत्तर प्रदेश का मतदाता पिछले कुछ चुनावों से बेहद परिपक्व और रणनीतिक व्यवहार कर रहा है। वह अपना कीमती वोट उसी दल या गठबंधन को देना पसंद करता है जो सीधे तौर पर सरकार बनाने की दौड़ में दिखाई देता हो। वोट बर्बाद न होने देने की यही व्यावहारिक मानसिकता अक्सर छोटे दलों और तीसरे मोर्चों की राह का सबसे बड़ा रोड़ा बन जाती है। इसके साथ ही संगठन की मजबूती और संसाधनों की उपलब्धता भी एक अहम पहलू है। सभी चार सौ तीन सीटों पर मजबूत और जिताऊ उम्मीदवार उतारना, बूथ स्तर पर कार्यकताओं की फौज खड़ी करना और चुनाव प्रचार के लिए संसाधन जुटाना किसी भी नए मोर्चे के लिए आसान काम नहीं है। यदि यह गठबंधन केवल कुछ प्रभावशाली पॉकेट्स या पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वांचल की चुनिंदा सीटों पर ही सिमट कर रह जाता है, तो पूरे प्रदेश में सत्ता परिवर्तन का इसका दावा कमजोर पड़ सकता है।

देखा जाय तो ह्यसामाजिक परिवर्तन मोर्चाह्ल उत्तर प्रदेश की समकालीन राजनीति में एक बेहद महत्वाकांक्षी और साहसिक प्रयोग जरूर है, लेकिन इसकी वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या यह जनता को यह भरोसा दिला पाता है कि वह केवल किसी स्थापित दल का खेल बिगाड़ने के लिए नहीं, बल्कि खुद खेल जीतने और सत्ता में हिस्सेदारी करने के लिए मैदान में उतरा है। फिलहाल के राजनीतिक परिदृश्य में यह बिल्कुल स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि यह नया गठबंधन स्वयं सत्ता की कुर्सी तक पहुंचे या न पहुंचे, लेकिन इसने समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस के रणनीतिकारों की नींद जरूर उड़ा दी है। आने वाले महीनों में यह देखना बेहद दिलचस्प होगा कि उत्तर प्रदेश का जागरूक मतदाता इस नई जोड़ी को अपने अधिकारों की बुलंद आवाज के रूप में स्वीकार कर कोई नया इतिहास रचता है, या फिर यह गठबंधन भी अंततः विपक्षी वोटों के बिखराव का एक और अध्याय बनकर रह जाता है।

अयोध्या में सियासी संग्राम, मालिक जबकि सबके राम?



-विक्रम दयाल

आस्था के आंगन में राजनीति का प्रवेश, मयार्दा पुरुषोत्तम के आदर्शों से कितनी दूर है इंसान? भारत की आध्यात्मिक चेतना में अयोध्या का स्थान केवल एक नगर के रूप में नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति और सनातन परंपरा के पवित्र केंद्र के रूप में स्थापित है। इसी पावन धरती पर मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने जन्म लेकर मानव जीवन को आदर्श आचरण, सत्य, त्याग, प्रेम, कर्तव्य और न्याय का संदेश दिया। राम केवल किसी एक परिवार, समाज, वर्ग अथवा राजनीतिक विचारधारा के नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के प्रेरणास्रोत हैं। ऐसे में प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि जब राम सबके हैं, तो उनकी जन्मभूमि अयोध्या को लेकर सियासी संग्राम की आवश्यकता क्यों पड़ती है? राम के नाम पर राजनीति और राम के आदर्शों पर जीवन, दोनों में जमीन-आसमान का अंतर है। राम का नाम लेना सरल है, लेकिन उनके चरित्र को अपने आचरण में उतारना कठिन है। आज आवश्यकता इस बात की है कि देश का सामाजिक और राजनीतिक नेतृत्व राम के नाम के साथ-साथ उनके विचारों और मयार्दाओं को भी आत्मसात करे। राम की मयार्दा और राजनीति की प्राथमिकताः भगवान श्रीराम का संपूर्ण जीवन सत्ता के मोह से ऊपर उठकर कर्तव्य निभाने की प्रेरणा देता है। राजमहल का सुख छोड़कर वनवास स्वीकार करना, पिता के वचन की रक्षा करना, छोटे-बड़े सभी के प्रति समान भाव रखना और प्रजा के हित को सर्वोपरि मानना उनके चरित्र की विशेषताएं हैं। राम ने कभी अपने अधिकारों के लिए मयार्दा का उल्लंघन नहीं किया। उन्होंने अपने आचरण से यह बताया कि राजा का वास्तविक वैभव उसके सिंहासन में नहीं, बल्कि प्रजा के विश्वास और कल्याण में होता है। आज जब राजनीति में राम का नाम लिया जाता है, तब जनमानस यह अपेक्षा भी करता है कि शासन-व्यवस्था में रामराज्य के आदर्श दिखाई दें। गरीब को सम्मान, वंचित को अधिकार, महिलाओं को सुरक्षा, युवाओं को रोजगार, बुजुर्गों को सहारा और समाज के प्रत्येक व्यक्ति को न्याय मिले। यही तो उस आदर्श व्यवस्था की मूल भावना है, जिसकी कल्पना रामराज्य के रूप में की जाती है। अयोध्या आस्था की नगरी है, राजनीतिक स्वामित्व का विषय नहीं: अयोध्या का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं से जुड़ा हुआ है। श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण एक लंबी ऐतिहासिक, सामाजिक और न्यायिक प्रक्रिया के बाद संभव हुआ। यह भारत की धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक स्मृति का महत्वपूर्ण अध्याय है। लेकिन मंदिर की भव्यता के साथ विचारों की विशालता भी आवश्यक है। मंदिर में विराजमान राम किसी राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं हैं। उनके प्रति श्रद्धा रखने वाला व्यक्ति किसी भी जाति, वर्ग, भाषा अथवा क्षेत्र का हो सकता है। राम के नाम पर यदि समाज में सद्भाव बढ़ता है, तो यह आस्था की सार्थकता है। लेकिन यदि उनके नाम पर सामाजिक दूरी, वैमनस्य अथवा एक-दूसरे के प्रति घृणा बढ़ती है, तो हमें अपने आचरण पर आत्ममंथन करना चाहिए। अयोध्या की पवित्रता केवल मंदिरों की घंटियों और धार्मिक आयोजनों में नहीं, बल्कि वहां से निकलने वाले प्रेम, सद्भाव और मानवता के संदेश में भी निहित है। राजनीति में राम का नाम, तो आचरण में भी राम के गुण हों: लोकतंत्र में राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों को अपने विचार रखने का अधिकार है। धार्मिक आस्था सार्वजनिक जीवन का हिस्सा भी हो सकती है। लेकिन धर्म और राजनीति के बीच स्वस्थ मयार्दा बनाए रखना सामाजिक जिम्मेदारी है। जनता को भी यह समझना होगा कि किसी नेता की धार्मिक अभिव्यक्ति और उसके सार्वजनिक दायित्वों का मूल्यांकन अलग-अलग आधारों पर होना चाहिए। मंदिर दर्शन, धार्मिक आयोजन और जयकारे अपनी जगह हैं, लेकिन जनप्रतिनिधि की असली जवाबदेही जनता की समस्याओं के समाधान से तय होती है। यदि राम का नाम लेने वाला नेतृत्व सत्य, न्याय, करुणा, ईमानदारी और जनकल्याण को प्राथमिकता देता है, तो उसके कार्यों में राम के आदर्शों की झलक दिखाई देगी। राम का संदेश सत्ता प्राप्त करने का नहीं, बल्कि सत्ता को सेवा का माध्यम बनाने का है। रामराज्य का अर्थ केवल धार्मिक गौरव नहीं, सामाजिक न्याय भी है: रामराज्य की कल्पना भारतीय जनमानस में ऐसी व्यवस्था के रूप में रही है, जहां भय, अन्याय, शोषण और भेदभाव के लिए कोई स्थान न हो। जहां शासन का उद्देश्य जनता की खुशहाली हो और प्रत्येक नागरिक को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर मिले। आज देश अनेक सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। महंगाई से परेशान परिवार, रोजगार की तलाश में भटकते युवा, शिक्षा और स्वास्थ्य की बढ़ती लागत से जूझते सामान्य नागरिक तथा उपेक्षा का अनुभव करते बुजुर्ग बेहतर व्यवस्था की अपेक्षा रखते हैं। ऐसे में रामराज्य की चर्चा तभी सार्थक होगी, जब जनप्रतिनिधि इन वास्तविक समस्याओं को अपनी प्राथमिकता बनाएं। धार्मिक आस्था मनुष्य को आत्मिक शक्ति देती है, जबकि सुशासन उसके जीवन को सुरक्षित और सुखद बनाने का आधार तैयार करता है। दोनों का समन्वय ही एक स्वस्थ समाज की पहचान है। शिक्षा और संस्कारों में राम के चरित्र का महत्वः नई पीढ़ी को राम के जीवन से केवल धार्मिक कथाएं ही नहीं, बल्कि जीवन जीने की शिक्षा भी मिलनी चाहिए। राम से वचन निभाने की सीख मिलती है, भरत से त्याग और भाईचारे की, लक्ष्मण से सेवा और समर्पण की, सीता से धैर्य और आत्मसम्मान की तथा हनुमान से निस्वार्थ भक्ति और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा मिलती है। रामायण का प्रत्येक प्रसंग मानव जीवन के लिए कोई न कोई संदेश लेकर आता है। आज जब आधुनिकता की दौड़ में पारिवारिक रिश्तों, सामाजिक संवेदनाओं और नैतिक मूल्यों में बदलाव दिखाई दे रहा है, तब रामकथा के आदर्श और भी प्रासंगिक हो जाते हैं। बच्चों को राम का नाम सिखाने के साथ राम का व्यवहार भी सिखाना होगा। उन्हें बताना होगा कि दूसरों का सम्मान करना, कमजोर की सहायता करना, सत्य बोलना और अपने कर्तव्यों का पालन करना ही वास्तविक संस्कार हैं। आस्था को जोड़ने का माध्यम बनाएं, बांटने का नहीं: भारत विविधताओं का देश है। यहां अलग-अलग धर्म, भाषाएं, परंपराएं और संस्कृतियां मिलकर राष्ट्रीय जीवन को समृद्ध बनाती हैं। भगवान श्रीराम का चरित्र भी लोकमंगल, करुणा और मयार्दा का संदेश देता है। शबरी के जूठे बेर स्वीकार करना हो या निषादराज के प्रति आत्मीयता, रामकथा के ये प्रसंग सामाजिक समानता और मानवीय संवेदना का महत्व समझाते हैं। इसलिए राम के नाम पर किसी के प्रति द्वेष रखने के बजाय उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज में प्रेम और सद्भाव बढ़ाना अधिक आवश्यक है। राजनीतिक विचार अलग हो सकते हैं, लेकिन सामाजिक भाईचारा और राष्ट्रीय एकता कमजोर नहीं पड़नी चाहिए। मंदिर की आरती के साथ मानवता की ज्योति भी जलती रहनी चाहिए। निष्कर्ष : राम सबके हैं, राम के आदर्श भी सबके लिए हैं: अयोध्या में मंदिर की भव्यता भारतीय आस्था का प्रतीक है, लेकिन राम के आदर्शों की भव्यता हमारे आचरण में दिखाई देनी चाहिए। राम को राजनीतिक बहसों तक सीमित करना उनके व्यापक मानवीय संदेश को छोटा कर देना होगा। सियासत अपनी जगह है, श्रद्धा अपनी जगह; सत्ता का अपना दायित्व है और धर्म का अपना संदेश। इन सबके बीच मयार्दा, विवेक और सामाजिक सद्भाव बनाए रखना ही सच्ची शिक्षा है। आज देश को ऐसे जनप्रतिनिधियों की आवश्यकता है जो राम के नाम के साथ राम के गुणों को भी अपनाएं। जो सत्ता को अधिकार नहीं, सेवा समझें; जनता को वोट नहीं, परिवार मानें और राजनीति को संघर्ष नहीं, जनकल्याण का माध्यम बनाएं। अयोध्या में राम का मंदिर केवल दर्शन का केंद्र न रहे, बल्कि आदर्श जीवन का प्रेरणाकेंद्र भी बने। क्योंकि राम किसी एक के नहीं, सबके हैं। वे केवल आस्था के आराध्य नहीं, बल्कि मयार्दा, मानवता और आदर्श शासन के मार्गदर्शक हैं। राम के नाम पर सियासी संग्राम नहीं, राम के आदर्शों पर सामाजिक उत्थान हो। यही अयोध्या का सम्मान और भारत की आध्यात्मिक पहचान हो।

ओवैसी-चंद्रशेखर की दोस्ती से बढ़ी अखिलेश की बेचैनी



-अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की सियासत में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले एक बड़े और चौंकाने वाले तीसरे मोर्चे की दस्तक हो चुकी है। लखनऊ में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद रावण और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने हाथ मिलाते हुए अपने नए गठबंधन की औपचारिक घोषणा कर दी है। सामाजिक परिवर्तन मोर्चा के नाम से बने इस नए सियासी समीकरण ने घोषणा की है कि वह प्रदेश की सभी 403 सीटों पर मजबूती से चुनाव लड़ेगा और इस मोर्चे की ओर से चंद्रशेखर आजाद को मुख्यमंत्री पद के चेहरे के रूप में आगे किया गया है। प्रदेश की कुल आबादी के दो सबसे बड़े और निर्णायक वंचित वर्गों यानी दलित और मुस्लिम मतदाताओं को एक ही छतरी के नीचे लाने के दावे के साथ उतरे इस गठबंधन ने लखनऊ से लेकर दिल्ली तक के राजनीतिक गलियारों में नई बहस छेड़ दी है। इस सियासी प्रयोग की सबसे बड़ी बुनियाद उत्तर प्रदेश का वह जातीय और सामाजिक गणित है, जिस पर लंबे समय से क्षेत्रीय दलों की राजनीति टिकी रही है।

उत्तर प्रदेश की जनसांख्यिकी और जातिगत आंकड़ों का विश्लेषण करें तो यह गठबंधन कागजों पर बेहद मजबूत नजर आता है। विभिन्न चुनावी सर्वेक्षणों और सामाजिक आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश की कुल आबादी में अनुसूचित जाति यानी दलित मतदाताओं की हिस्सेदारी लगभग 21 प्रतिशत है। इनमें सबसे बड़ा हिस्सा जाटव बिरादरी का है, जो कुल दलित आबादी का आधे से ज्यादा यानी करीब 11 से 12 प्रतिशत तक मानी जाती है, जबकि शेष 9 से 10 प्रतिशत हिस्सेदारी पासी, धोबी, कोरी, वाल्मीकि और अन्य गैर-जाटव दलित उपजातियों की है। दूसरी तरफ, राज्य में मुस्लिम आबादी करीब 19 से 20 प्रतिशत के आसपास है। इस तरह दलित और मुस्लिम समाज की कुल आबादी मिलकर राज्य के लगभग 40 से 41 प्रतिशत मतदाताओं का निर्माण करती है। राज्य की 403 विधानसभा सीटों में से लगभग 110 से 125 सीटें ऐसी हैं,

गोकुल दूध संघ के सत्ता समीकरण पर कांग्रेस का विरोध, राज्यपाल को ज्ञापन



भिवंडी (उत्तरशक्ति)। कोल्हापुर जिला सहकारी दूध उत्पादक संघ (गोकुल दूध संघ) के चुनाव के बाद सत्ता गठन को लेकर उठे विवाद में भिवंडी शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने भी हस्तक्षेप की मांग की है। कांग्रेस अध्यक्ष आबिद मुन्सफ खान ने आरोप लगाया है कि शासननियुक्त सदस्यों के माध्यम से चुनाव में मिले जनादेश को प्रभावित कर सत्ता का समीकरण बदलने का प्रयास किया जा रहा है। इस संबंध में उन्होंने 13 नवंबर को महाराष्ट्र के राज्यपाल को तहसीलदार के माध्यम से ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन के अनुसार, कांग्रेस नेता विधायक सतेज उर्फ बंटी पाटिल के नेतृत्व वाली राजर्षि शाहू शेतकरी समविचारी आघाड़ी ने गोकुल दूध संघ की 25 संचालक सीटों में से 13 पर जीत हासिल की, जबकि महायुति के पैनल को 12 सीटें मिलीं। कांग्रेस का कहना है कि मतदाताओं ने आघाड़ी को स्पष्ट बहुमत दिया है, इसलिए इस जनादेश का सम्मान किया जाना चाहिए। आबिद खान ने कहा कि शासन की ओर से पांच मनोनीत सदस्यों की नियुक्ति की गई है, जिनमें से चार को मतदान का अधिकार देने पर विचार किया जा रहा है। इससे निर्वाचित संचालक मंडल का सत्ता समीकरण प्रभावित हो सकता है। उन्होंने कहा कि गोकुल दूध संघ लाखों दूध उत्पादक किसानों के आर्थिक हितों से जुड़ी संस्था है। इसका नेतृत्व लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए संचालकों के बहुमत के आधार पर तय होना चाहिए। कांग्रेस ने राज्यपाल से मांग की है कि 13 सीटें जीतने वाली आघाड़ी के जनादेश का सम्मान किया जाए, चार मनोनीत सदस्यों को मतदान का अधिकार देने का निर्णय रोका जाए तथा उनकी नियुक्ति संबंधी अध्यादेश रद्द किया जाए। इसके साथ ही अध्यक्ष पद का चुनाव निर्वाचित संचालकों के माध्यम से पारदर्शी तरीके से कराने, शासन का राजनीतिक हस्तक्षेप रोकने और सहकारिता क्षेत्र की स्वायत्तता व किसानों के अधिकारों की रक्षा करने की मांग की गई है।आबिद खान ने राज्यपाल से मामले में हस्तक्षेप कर संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने की अपील की है। ज्ञापन पर अध्यक्ष आबिद खान, महासचिव मनोज श्रीवास्तव, सचिव आशीष श्रीवास्तव और सोशल मीडिया समन्वयक अशोक पाटोले के हस्ताक्षर हैं।

खावड़ा बिजली पारेषण परियोजना से प्रभावित जमीन के लिए 3300 रुपये प्रति वर्ग मीटर मुआवजा निर्धारित

भिवंडी। गुजरात से पडघा तक प्रस्तावित हरित ऊर्जा पारेषण परियोजना के खावड़ा-4सी प्रोजेक्ट में प्रभावित होने वाली भिवंडी तालुका की किसानों की जमीन का मुआवजा शासन द्वारा 3300 रुपये प्रति वर्ग मीटर निर्धारित किए जाने का दावा कंपनी प्रशासन ने किया है। कंपनी प्रशासन के अनुसार, जमीन के मुआवजे की दर तय करने का वैधानिक अधिकार बिजली पारेषण कंपनी को नहीं, बल्कि सक्षम स्थानीय सरकारी प्रशासन को है। शासन के नियमों और संबंधित सरकारी आदेशों के आधार पर जमीन का मूल्यांकन कर मुआवजे की दर निर्धारित की जाती है। खावड़ा-4सी पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड ने स्पष्ट किया है कि कंपनी स्वयं मुआवजे की दर तय नहीं करती, बल्कि प्रशासन द्वारा अंतिम की गई दरों के अनुसार भुगतान करती है। यदि भविष्य में शासन या स्थानीय प्रशासन द्वारा मुआवजे की नई दरें निर्धारित की जाती हैं, तो उन्हें लागू करने के लिए कंपनी तैयार है। कंपनी ने यह भी बताया कि जमीन के मुआवजे के अलावा प्रभावित किसानों की खड़ी फसलों, फलदार पेड़ों और अन्य वृक्षों को होने वाले नुकसान का भुगतान संबंधित सरकारी विभागों की नीतियों के अनुसार अलग से किया जा रहा है।

जिले में 14 से 20 नवंबर तक मनाया जायेगा बाल मजदूरी विरोधी जागरूकता सप्ताह

पालघर(उत्तरशक्ति)। बच्चों के शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षित बचपन के अधिकारों की रक्षा करने तथा बाल मजदूरी की कुप्रथा को पूरी तरह समाप्त करने के उद्देश्य से पालघर जिले में 14 से 20 नवंबर 2026 तक बाल श्रम विरोधी जागरूकता सप्ताह मनाया जायेगा। इस दौरान जिलेभर में बाल मजदूरी के खिलाफ व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जायेगा। प्रशासन ने जिले के सभी प्रतिष्ठान मालिकों और नियोक्ताओं से अपील की है कि वे बाल एवं किशोरवयीन बच्चों को कानून द्वारा प्रतिबंधित कार्यों में रोजगार न दें।

प्रशासन के अनुसार भारतीय संविधान में प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षित जीवन का अधिकार प्रदान किया गया है। लेकिन बाल मजदूरी के कारण बच्चों की शिक्षा बाधित होती है और उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। बाल मजदूरी केवल कानून का उल्लंघन ही नहीं, बल्कि एक गंभीर सामाजिक समस्या भी है। इस कुप्रथा को जड़ से समाप्त करने के लिए प्रशासन के साथ-साथ समाज के प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

बाल एवं किशोरवयीन श्रमिक (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 के तहत 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को किसी भी व्यवसाय या कार्य प्रक्रिया में रोजगार देना प्रतिबंधित है। वहीं 14 वर्ष की आयु पूरी कर चुके लेकिन 18 वर्ष से कम उम्र के किशोरों को खतरनाक उद्योगों एवं कार्य प्रक्रियाओं में नियुक्त करना दंडनीय अपराध है। कानून का उल्लंघन कर बच्चों या किशोरों से प्रतिबंधित कार्य कराने वाले मालिक अथवा नियोक्ता को छह महीने से दो वर्ष तक की कैद, 20 हजार से 50 हजार रुपये तक का जुमार्ना अथवा दोनों सजाएं हो सकती हैं।प्रशासन ने पालघर जिले के दुकानों एवं प्रतिष्ठानों के मालिकों, ईंट भट्ठा संचालकों, पत्थर खदान एवं क्रशर संचालकों, होटल व्यवसायियों, चाय की दुकानों, गैरेज मालिकों तथा निर्माण क्षेत्र से जुड़े नियोक्ताओं से विशेष अपील की है कि वे अपने प्रतिष्ठानों और कार्यस्थलों पर बाल मजदूरों को नियुक्त न करें तथा किशोरवयीन श्रमिकों से कानून द्वारा प्रतिबंधित खतरनाक कार्य न करवायें। प्रशासन ने नागरिकों से भी अपील की है कि कहीं भी बाल मजदूरी होते दिखाई देने पर तत्काल श्रम विभाग के कार्यालय से संपर्क कर इसकी जानकारी दें। जागरूकता सप्ताह के दौरान आम नागरिक भी सतर्क रहें और बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रशासन को सहयोग करें।

पालघर जिले के विकास को देंगे पहली प्राथमिकता : पालकमंत्री गणेश नाईक

◆तेंदुए के हमले में मृतकों के परिजनों को 25 लाख रुपये के चेक सौंपे

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के सर्वांगीण विकास को पहली प्राथमिकता देते हुए प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारी निभाकर काम करना चाहिए। जिले के विकास के लिए हम पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे और विकास की प्रक्रिया को गति देने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। यह बात वनमंत्री तथा पालघर जिले के पालकमंत्री गणेश नाईक ने कही।

क्रांतिसूर्य भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर आयोजित जनजातीय गौरव सेवा सप्ताह 2026 के अंतर्गत विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को लाभ वितरण कार्यक्रम में पालकमंत्री गणेश नाईक संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए जिले के विकास के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता बताई। पालकमंत्री नाईक ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और मीडिया को विकास प्रक्रिया में एक-दूसरे का सहयोगी बनकर काम करना चाहिए। किसी विभाग या व्यक्ति से कोई गलती होने पर तत्काल आलोचना करने के बजाय उसे सकारात्मक तरीके से समझाकर सुधार का अवसर देना चाहिए। सभी का उद्देश्य जिले का विकास और आम नागरिकों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना होना चाहिए।



उन्होंने नवी मुंबई को प्राप्त प्रथम स्थान की उपलब्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सफलता किसी एक व्यक्ति के प्रयासों का परिणाम नहीं, बल्कि महापौर, उपमहापौर, नगरसेवकों, आयुक्त, अतिरिक्त आयुक्त, उपायुक्त, प्रभाग अधिकारियों, शहर अभियंताओं, स्वयंसेवी संस्थाओं और प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया के प्रतिनिधियों के सामूहिक योगदान से संभव हुई है। सभी ने अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए निगरानी और सहयोग की भूमिका अदा की, जिसके चलते यह उपलब्धि हासिल हुई। भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पालकमंत्री ने कहा कि समाज के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को कई वर्षों बाद भी याद किया जाता है। सामान्य परिस्थितियों से शुरूआत करने वाला व्यक्ति भी अपने कार्यों के माध्यम से महान व्यक्तित्व बन सकता है। पालघर जिले से भी भविष्य में ऐसे समाजसेवियों का निर्माण होना चाहिए, जिनके कार्यों को समाज लंबे समय तक याद रखे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में राज्य सरकार विकास की दिशा में कार्य कर रही है। राज्य की प्रगति केवल सरकारी दस्तावेजों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उसका वास्तविक लाभ आम नागरिकों तक पहुंचना चाहिए और विकास कार्य जमीन पर दिखाई देने चाहिए।

पालकमंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा के विचारों और संघर्ष की विरासत को आगे बढ़ाते हुए आदिवासी, वंचित और जरूरतमंद वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए सभी सरकारी विभागों को आपसी समन्वय से काम करने का आहवान किया। कार्यक्रम के दौरान पालकमंत्री गणेश नाईक के हाथों विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को योजना का लाभ वितरित किया गया।

साथ ही तेंदुए के हमलों में जान गंवाने वाले व्यक्तियों के परिजनों को 25 लाख रुपये के चेक भी पालकमंत्री के हाथों सौंपे गये। कार्यक्रम में सांसद डॉ. हेमंत सवरा, जिलाधिकारी डॉ. इंदु रानी जाखड़, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख, जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश निकम, निवासी उपजिलाधिकारी सुभाष भागडे, उपजिलाधिकारी रणजीत देसाई सहित विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी उपस्थित रहे।

एनसीपी के विलय की अटकलों पर विराम, सुप्रिया सुले बोलीं- अजित पवार के निधन ने सबकुछ बदला, किसी ने संपर्क नहीं किया

मुंबई। एनसीपी के दोनों गुटों के एक होने की अटकलों पर सुप्रिया सुले ने विराम लगा दिया है। उन्होंने साफ कहा कि विलय को लेकर उनसे किसी ने संपर्क नहीं किया है और न ही इस संबंध में कोई प्रस्ताव मिला है। सुप्रिया सुले ने कहा कि उनके चचेरे भाई और महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के साथ ही दोनों पार्टियों के फिर से एक होने की संभावना खत्म हो गई थी। बता दें कि उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब एनसीपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने एक दिन पहले विलय की चचाओं पर कहा था कि सही समय आने पर सब पता चल जाएगा।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान सुप्रिया सुले से एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित विलय को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि मुझे विलय का कोई प्रस्ताव नहीं मिला है, इसलिए मुझे नहीं पता कि आप किस प्रस्ताव की बात कर रहे हैं। किसी ने मुझसे संपर्क नहीं किया है और न ही इस बारे में मुझसे कोई बात की है।

पिछले एक सप्ताह के दौरान ठउढ के कई वरिष्ठ नेताओं की शरद पवार से मुलाकात को लेकर भी उनसे सवाल किया गया तो इस पर सुप्रिया सुले ने कहा कि वह अपने अनुभव के आधार पर ही बात कर सकती हैं। सुप्रिया सुले ने बताया कि अजित पवार के जीवित रहने के दौरान दोनों पार्टियों के विलय को लेकर चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा कि अजित पवार ने इस विषय पर परिवार और पार्टी के अन्य लोगों से बातचीत की थी। सुले के मुताबिक, 17 जनवरी को बारामती स्थित गोविंदबाग में हुई बैठक का वीडियो भी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है। उस समय सभी को पता था कि दोनों पार्टियां किस दिशा में आगे बढ़ रही थीं। हालांकि, अजित पवार के अचानक निधन के बाद पूरी स्थिति बदल गई और यह बातचीत वहीं खत्म हो गई।

मुख्यमंत्री सहायता निधि के स्वास्थ्य शिविर में 120 मरीजों की हुई निःशुल्क जांच

दातिवरे-सफाले में स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन



पालघर (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री सहायता निधि एवं धमार्दाय अस्पताल सहायता कक्ष, पालघर की ओर से पालघर तहसील के दातिवरे (सफाले) में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब, दातिवरे के सहयोग से आयोजित इस शिविर में कुल 120 मरीजों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री सहायता निधि एवं धमार्दाय अस्पताल सहायता कक्ष के माध्यम से राज्य के जरूरतमंद मरीजों को चिकित्सा उपचार के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के साथ-साथ ग्रामीण एवं दुर्गम क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के उद्देश्य से विभिन्न जनकल्याणकारी उपक्रम चलाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में इस स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में सामान्य स्वास्थ्य जांच, अस्थि रोग विशेषज्ञों द्वारा चिकित्सकीय परामर्श, विभिन्न प्रकार की रक्त जांच, ईसीजी, निःशुल्क दवा वितरण, आयुष्मान भारत कार्ड पंजीकरण तथा अंगदान के प्रति जनजागृति जैसे महत्वपूर्ण उपक्रम संचालित किये गये। इसके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को एक ही स्थान पर विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं और विशेषज्ञ चिकित्सकों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने में इन्फिगो हॉस्पिटल, बोईसर, वरद मल्टीस्पेशालिटी हॉस्पिटल, बोईसर, ढवले हॉस्पिटल, पालघर, सर्व जीवसेवा फाउंडेशन, मोहन फाउंडेशन तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग, पालघर का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

नासिक के उद्योगपति केसी पांडे ने एक दिन में चार धाम की यात्रा का बनाया रिकॉर्ड



मुंबई (उत्तरशक्ति)। नासिक के उद्योगपति तथा विश्व प्रसिद्ध गारगोटी संग्रहालय के संस्थापक केसी पांडे ने अपनी धर्मपत्नी नीरा कृष्णा पांडे के साथ एक दिन में ही देवभूमि उत्तराखंड स्थित चार धाम की यात्रा कर एक प्रेरणादायक रिकॉर्ड बनाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार किसी वरिष्ठ नागरिक दंपत्ति की एक दिन के भीतर चारों धाम की यात्रा करना अत्यंत कठिन और चुनौतीपूर्ण माना जाता है। उन्होंने चारों धाम की यात्रा किराए के हेलीकॉप्टर से की। इसके लिए उन्हें 10 लाख रुपए चुकाने पड़े। यात्रा के दौरान उनके साथ श्री कैलाश मठ ट्रस्ट के महामंडलेश्वर आचार्य स्वामी संविदानंद, वरिष्ठ पत्रकार संजय शर्मा तथा प्रेम मिश्रा उपस्थित रहे। श्री पांडे ने ईश्वर को धन्यवाद देते हुए कहा कि यात्रा अत्यंत कठिन रही, परंतु प्रकृति ने उनका पूरा साथ दिया। दीपावली के अवसर पर यह उनकी अविस्मरणीय धार्मिक यात्रा रही। उत्तराखंड के चार धाम जिन्हें छोटा चार धाम भी कहा जाता है, उसमें मां यमुना का उद्गम स्थल यमुनोत्री, मां गंगा का उद्गम स्थल गंगोत्री, भगवान शिव को समर्पित ज्योतिर्लिंग केदारनाथ तथा भगवान विष्णु को समर्पित धाम बद्रीनाथ का समावेश है। केसी पांडे की एक दिन में की गई चार धाम यात्रा उनके आत्मबल और दृढ़ इच्छा शक्ति का परिचायक है। श्री शिरडी संस्थान के ट्रस्टी रहे केसी पांडे साई बाबा के भक्त हैं और अपनी उपलब्धि का सरसरी उन्हीं के चरणों में समर्पित करते हैं।1993 में भारतीय जल सेना में चीफ एयर आर्टिफिशर के पद पर सेवा निवृत केसी पांडे, 1978 से लेकर 1993 तक आईएनएस विक्रांत और आईएनएस विराट जैसे बड़े एयरक्राफ्ट कैरियर्स पर काम कर चुके हैं।

अनाथ एवं निराश्रित बच्चों के साथ मिठाइयाँ बाँटकर मनाई दीपावली; इंडिया मीडिया लिंक ॲंड इवेंट्स मॅनेजमेंट की अनूठी पहल



मुंबई (उत्तरशक्ति)। दीपावली की खुशियों, प्रेम, उत्साह और आपसी भाईचारे का त्योहार है। इस त्योहार की वास्तविक सार्थकता तभी है, जब इसकी खुशियाँ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचें। इसी भावना को आत्मसात करते हुए इंडिया मीडिया लिंक ॲंड इवेंट्स मॅनेजमेंट की ओर से दीपावली 2026 के शुभ अवसर पर एक विशेष सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

बता दें कि इंडिया मीडिया लिंक ॲंड इवेंट्स मैनेजमेंट के संचालक के. रविदादा के नेतृत्व में पिछले कई वर्षों से सामाजिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में विभिन्न जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं। इसी सामाजिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष अनाथ एवं निराश्रित बच्चों के साथ दीपावली मनाने का सराहनीय निर्णय के रविदादा ने लिया । इस विशेष अवसर पर मुंबई स्थित डेविड ससून चिल्ड्रन स्कूल एवं चिल्ड्रन होम में रहने वाले सैकड़ों बच्चों के साथ दीपावली की खुशियाँ साझा की गईं।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य उन बच्चों के जीवन में खुशियों की रोशनी पहुँचाना है, जिन्हें माता-पिता का स्नेह और परिवार का साथ प्राप्त नहीं हो पाता।इस सामाजिक कार्यक्रम में इंडिया मीडिया लिंक ॲंड इवेंट्स मॅनेजमेंट के संचालक के. रविदादा के साथ चिदंबरम बी. कुलकर्णी, अधिवक्ता . यशवंत गंगावने , नासिर पठान, प्रकाश दुपारगुडे, प्रोफेसर . हेमंत सामंत, जॉन मेढ़े, अतुल राजकुले, अरुण वडनेरे, राजेश चव्हाण, डॉ. सीमा टिबरेवाल और प्रो . मंजिरी माने सहित बड़ी संख्या में पत्रकार एवं मीडिया कर्मियों ने सहभागिता की।इस सामाजिक , अनोखे कार्यक्रम को सफल बनाने में डेविड ससून चिल्ड्रन होम के युवा एवं कुशल अधीक्षक . तुषार रघुवंशी तथा उनके समस्त कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।

बीजेपी विधायक संजय उपाध्याय की जल संकट को दूर करने की दूरदर्शितापूर्ण पहल

1,000 से अधिक सोसायटियों में जल संचय के लिए बनवाएंगे कुएं



मुंबई (उत्तरशक्ति)। इस वर्ष औसत से कम बारिश होने के कारण समूचा महाराष्ट्र सूखे की मार झेल रहा है। मुंबई में कम बारिश और अल नीनो के प्रभाव के चलते जल संकट की आशंका के बीच बोरीवली विधानसभा क्षेत्र में वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल करने का संकल्प लिया गया है। इसके तहत बोरीवली की 1,000 से अधिक हाउसिंग सोसायटियों में बारिश के पानी को जमा करने के लिए कुएं बनवाने की योजना है। संजय उपाध्याय ने दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम में पत्रकारों को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा बोरीवली रेलवे स्टेशन पर आधुनिक और स्वच्छ शौचालय बनाने, स्टेशन के आसपास से अतिक्रमण हटाने तथा यात्रियों की भीड़ नियंत्रित करने के लिए भी कदम उठाए जाएंगे। पश्चिमी उपनगरों में बोरीवली को एक आदर्श मॉडल बनाने की उम्मीद जताई है।वर्तमान में मुंबई में कम बारिश और अल नीनो के प्रभाव के कारण 10 से 15 प्रतिशत पानी कटौती लागू होने की स्थिति का उल्लेख करते हुए विधायक संजय उपाध्याय ने कहा कि शहर में पानी की बचत और वर्षा जल संचयन को लेकर गंभीरता से काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मुंबई में सड़कों और हाउसिंग सोसायटियों में बड़े पैमाने पर पेवर ब्लॉक लगाए गए हैं। दूसरी ओर, पेड़ों की अंधाधुंध कटाई के कारण हरित क्षेत्र प्रभावित हो रहा है और भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। ऐसे में सोसायटियों में वर्षा जल संचयन के लिए कुएं बनाने की पहल भविष्य में पानी की उपलब्धता बढ़ाने में मददगार साबित हो सकती है। इससे बारिश का पानी नालों और समुद्र में बहने के बजाय जमीन के भीतर जमा हो सकेगा और भूजल स्तर को सुधारने में सहायता मिलेगी।

संजय उपाध्याय ने पानी की बबार्दी पर चिंता जताते हुए कहा कि शहर में लोग पानी का वास्तविक महत्व नहीं समझते। एक बार शौचालय में फ्लश करने पर ही 5 से 10 लीटर पानी खर्च हो जाता है। एक परिवार में प्रतिदिन लगभग 150 से 200 लीटर पानी बर्बाद होने की स्थिति बन जाती है। दूसरी ओर, पर्याप्त जल संचयन व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश के दौरान अरबों लीटर पानी नालों के रास्ते समुद्र में चला जाता है। महाराष्ट्र के कई ग्रामीण इलाकों में आज भी लोगों को पीने का पानी लाने के लिए दूर तक जाना पड़ता है और पानी के टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ता है। उन्होंने कहा कि वर्षा जल संचयन के लिए कुएं बनाना केवल वर्तमान की जरूरत नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

विधायक संजय उपाध्याय ने कहा कि बोरीवली रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन हजारों यात्रियों की आवाजाही होती है। यहां से मुंबई के स्थानीय यात्रियों के साथ-साथ लंबी दूरी की मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों से आने-जाने वाले यात्री भी बड़ी संख्या में सफर करते हैं। ऐसे में स्टेशन पर स्वच्छ और आधुनिक शौचालयों की सुविधा होना जरूरी है। विधायक संजय उपाध्याय के अनुसार, स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर आधुनिक शौचालयों के निर्माण के लिए उन्होंने रेलवे प्रशासन के साथ पत्राचार शुरू कर दिया है। जल्द ही मंजूरी मिलने के बाद आधुनिक और स्वच्छ शौचालयों की सुविधा शुरू करने की दिशा में काम किया जाएगा। इसके अलावा रेलवे स्टेशन के आसपास लंबे समय से मौजूद अतिक्रमण को स्थायी रूप से हटाने और यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए भी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

विधायक संजय उपाध्याय ने उम्मीद जताई कि वर्षा जल संचयन, बेहतर सार्वजनिक सुविधाओं, स्वच्छता और अतिक्रमण मुक्त रेलवे स्टेशन की पहल के जरिए बोरीवली को पश्चिमी उपनगरों के लिए एक मॉडल बनाया जा सकेगा। गौरतलब है कि अल नीनो के प्रभाव के चलते एशिया के कई देशों में इस वर्ष पर्याप्त बारिश नहीं होने और कुछ क्षेत्रों में सूखे जैसी स्थिति पैदा होने की आशंका के बीच जल संरक्षण का महत्व और बढ़ गया है। ऐसे में विधायक संजय उपाध्याय की बोरीवली की 1,000 से अधिक सोसायटियों में वर्षा जल संचयन के लिए कुएं बनाने की प्रस्तावित पहल यदि सफल होती है और शहर के अन्य इलाकों में भी इसे अपनाया जाता है, तो भूजल स्तर सुधारने तथा भविष्य के जल संकट से निपटने में मदद मिल सकती है।कार्यक्रम में भाजपा की महाराष्ट्र प्रदेश प्रवक्ता, पालघर जिला प्रभारी तथा स्थानीय नगरसेविका रानी द्विवेदी, मुंबई भाजपा के मीडिया प्रभारी निरंजन शेट्टी, नगरसेविका शिल्पा सांगोरे, जिज्ञासा शाह, एड.सीमा शिंदे, पूर्व नगरसेवक प्रवीण शाह, विद्यार्थी सिंह, दिनेश झाला एवं प्रमुख भाजपा कार्यकर्ता तथा बड़ तादाद में पत्रकारों की उपस्थिति रही।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com



स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

बैंक में वृद्ध की जेब से 50 हजार गायब

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बैंक के भीतर रुपये निकालने के बाद भी एक वृद्ध की रकम सुरक्षित नहीं रह सकी। जफराबाद थाना क्षेत्र के कबुलपुर स्थित यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की नेहरू नगर शाखा में गुरुवार को एक वृद्ध की जेब से 50 हजार रुपये चोरी होने का मामला सामने आया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर जांच शुरू कर दी। जलालपुर थाना क्षेत्र के नीलकंठपुर गांव निवासी तेजबहादुर चौहान गुरुवार को बैंक से अपने खाते से 50 हजार रुपये निकालने पहुंचे थे।

कैशियर से 500 रुपये के नोटों की गड्डी मिलने के बाद वह बैंक परिसर में एक बेंच पर बैठकर रुपये गिनने लगे। इसके बाद पूरी रकम अपनी पैंट की जेब में रख ली। रुपये रखने के बाद वह बैंक में लगी प्रिंटर मशीन से पासबुक अपडेट कराने लगे। इसी दौरान कथित तौर पर एक युवती ने उनकी जेब से 50 हजार रुपये की गड्डी निकाल ली। कुछ देर बाद जब वृद्ध बैंक से बाहर निकलने लगे तो जेब टटोलने पर रुपये गायब मिले।

इसके बाद उन्होंने बैंक के भीतर शोर मचाया, जिससे अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर थानाध्यक्ष कमलनयन दुबे पुलिस बल के साथ बैंक पहुंचे और सीसीटीवी फुटेज की जांच की। बताया जा रहा है कि घटना के समय वृद्ध के आसपास एक युवती और एक महिला मौजूद थीं। फुटेज के आधार पर एक युवती पर चोरी का संदेह जताया जा रहा है।

विदेशों में नाम कमाने के बाद अब अपने शहर लौटे शेफ दानिश खान की मछलीशहर में 'डी कैफे' की हुई ग्रैंड ओपनिंग

अरशद अली

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर क्षेत्र के स्वाद के शौकीनों और फूड लवर्स के लिए बड़ी खुशखबरी है। चुंगी चौराहा स्थित आईसीआईसीआई बैंक के ठीक बगल में प्रोफेशनल और बेहतरीन सुविधायुक्त 'डी कैफे' का गुरुवार शाम 5 बजे ग्रैंड ओपनिंग हुआ। परिवार और दोस्तों के साथ सुकून भरे पल बिताने के लिए यह कैफे एक बेहतरीन ठिकाना साबित होगा। जहाँ ग्राहकों को स्वादिष्ट बेकरी आइटम्स, रिफ्रेशिंग मॉकटेल्स और Pure Vegetarian डीश खाने का सबसे अलग जायका मिलेगी।

उद्घाटन समारोह में कैफे के संचालक और जाने-माने शेफ दानिश खान की वालिदा आयशा परमीन और वालिद इश्तियाक खान ने संयुक्त रूप से फीता काटकर 'डी कैफे' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर माता-पिता ने अपने बेटे दानिश को वापिस अपने शहर में नई शुरूआत के लिए ढेरों मुबारकबाद दी और उनकी कामयाबी के लिए दुआओं से नवाजा।



मछलीशहर से दुनिया तक का सफर तय कर लौटे दानिश मूल रूप से मछलीशहर के कोतवाली मोहल्ला के निवासी है। शेफ दानिश खान ने कुकिंग के क्षेत्र में अपनी शुरूआत यहीं से की थी। इसके बाद उन्होंने देश-विदेश के प्रतिष्ठित रेस्टोरेंट में काम कर अपनी कुकिंग कला को निखारा और अनुभव हासिल किया। अब वापिस अपने शहर के लोगों को विश्वस्तरीय स्वाद और बेहतरीन हॉस्पिटैलिटी देने के उद्देश्य से उन्होंने मछलीशहर में 'डी कैफे' की नींव रखी है।

ग्रैंड ओपनिंग के इस खास मौके पर नगर के कई सम्मानित लोग की उपस्थिती रही। विशिष्ट अतिथि के रूप में तेज बहादुर सेवा अस्पताल के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. मनोज यादव (बाल रोग विशेषज्ञ) जी ने अपने पूरे स्टाफ के साथ समारोह में शिरकत की एवं लॉयल वन्डर स्कूल के डायरेक्टर हाजी एजाज खान आदि लोगों ने शिरकत कर शेफ दानिश खान के 'ऊं ऊीर' की सराहना करते हुए मुबारकबाद और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

9वीं बार टाउन क्रिकेट क्लब के अध्यक्ष बने सुमित सोनी, रजत राज को मिली सचिव की जिम्मेदारी

विजेता को 50 हजार और उपविजेता को मिलेंगे 25 हजार रुपये

दुद्धी,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। टाउन क्रिकेट क्लब दुद्धी की नई कार्यकारिणी में सुमित सोनी को लगातार नौवीं बार अध्यक्ष चुना गया है, जबकि रजत राज को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके चयन से क्षेत्र के क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह है।

क्लब की ओर से आयोजित 40वें अंतरराज्यीय क्रिकेट टूनार्मेंट का शुभारंभ 25 दिसंबर 2026 से होगा। प्रतियोगिता में कुल 16 टीमें हिस्सा लेंगी। आयोजकों ने विजेता टीम के लिए 50 हजार रुपये और उपविजेता के लिए 25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि निर्धारित की है। प्रतियोगिता के मुख्य संरक्षक मिजार्पुर-सोनभद्र क्षेत्र के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) श्याम नारायण सिंह उर्फ विनीत सिंह होंगे।

25 दिसंबर से शुरू होगा 40वां अंतरराज्यीय क्रिकेट टूनार्मेंट

गौरतलब है कि टाउन क्रिकेट क्लब का यह आयोजन चार दशकों से क्षेत्र में क्रिकेट प्रतिभाओं को मंच प्रदान करता आ रहा है। 40वें संस्करण को भव्य बनाने के लिए क्लब पदाधिकारियों और आयोजन समिति ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

छठ पर्व को लेकर डीएम और एसपी ने किया विभिन्न घाटों का निरीक्षण, सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आगामी छठ पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में शुक्रवार, 13 नवंबर 2026 को जिलाधिकारी सैमुअल पाल एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने थाना कोतवाली क्षेत्रांतर्गत स्थित विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन के लिए की गई तैयारियों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी



एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि छठ पर्व के दौरान घाटों पर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। इसके लिए घाटों पर साफ-सफाई, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग और यातायात प्रबंधन के विशेष इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं।

अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने तथा भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए। साथ ही पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करने तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरी करने के निर्देश दिए, ताकि छठ पर्व श्रद्धा, उत्साह और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो सके।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक नगर अनंत चन्द्रशेखर, सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर सम्यक चौधरी, प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एसपी ने शुक्रवार की परेड की ली सलामी, पुलिस लाइन और यूपी-112 के वाहनों का किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक डॉ.यशवीर सिंह ने शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित साप्ताहिक परेड की सलामी ली और परेड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुलिसकर्मियों के टर्नआउट, अनुशासन एवं शारीरिक दक्षता का जायजा लेते हुए उन्हें वर्दी स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखने तथा नियमित व्यायाम और ड्रिल के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक रूप से चुस्त-दुरुस्त रहने के निर्देश दिए।



परेड के बाद एसपी ने पुलिस लाइन परिसर और विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने, अभिलेखों का उचित रखरखाव करने तथा विभागीय कार्यों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके बाद उन्होंने यूपी-112 के वाहनों का निरीक्षण कर उनकी साफ-सफाई, रखरखाव और उपलब्ध उपकरणों की क्रियाशीलता जांचने के निर्देश दिए। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई करने तथा आमजन के साथ शालीन और संवेदनशील व्यवहार करने को कहा। अंत में एसपी ने अर्दली रूम कर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा, सतर्कता और अनुशासन के साथ करने के निर्देश दिए।

तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल, चालक फरार



वाराणसी (उत्तरशक्ति)। चौबेपुर थाना क्षेत्र के जाल्हूपुर मार्ग पर केला लदी तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद पिकअप चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायल की हालत गंभीर बताई जा रही है।

मौर्या मार्केट में दिनदहाड़े चोरी, 5 किलो तांबा और मंगलसूत्र ले उड़े चोर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के मौर्या मार्केट में दिनदहाड़े चोरी की घटना से हड़कंप मच गया। संतोष टेलर के किराए के मकान में रहने वाले सनोज मौर्य के घर को चोरों ने निशाना बनाते हुए करीब डेढ़ लाख रुपये का सामान पार कर दिया। पीड़ित के अनुसार, 12 नवंबर को दोपहर करीब एक बजे दो अज्ञात युवक मकान की बाउंड्री फांदकर अंदर घुसे और ताला तोड़कर लगभग पांच किलो तांबा तथा एक मंगलसूत्र चोरी कर फरार हो गए।

पीड़ित वर्ष 2019 से यहां किराए पर रह रहे हैं। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में दो संदिग्ध युवक दिखाई दे रहे हैं। पीड़ित ने पुलिस से फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर चोरी गए सामान की बरामदगी और गिरफ्तारी की मांग की है।

राजा बाजार रोड झाड़ियों से घिरी

जौनपुर-प्रतापगढ़ को जोड़ने वाली सड़क पर राहगीरों को खतरा, लोगों ने पीडब्ल्यूडी से सफाई की मांग की

महराजगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के राजा बाजार रोड के दोनों किनारों पर झाड़ियां उग आई हैं। इससे राहगीरों को सड़क से गुजरने में परेशानी हो रही है। लोगों ने पीडब्ल्यूडी विभाग से झाड़ियों की सफाई कराने की मांग की है। यह सड़क जौनपुर और प्रतापगढ़ जिलों को जोड़ती है। इस रास्ते से रोज हजारों छोटे-बड़े वाहन और राहगीर गुजरते हैं। बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे भी इसी सड़क का इस्तेमाल करते हैं। सड़क के दोनों ओर फैली झाड़ियों के कारण सामने से आने वाले वाहन दिखाई नहीं देते। दिन में लोग किसी तरह रास्ते से गुजर जाते हैं, लेकिन रात में यहां से निकलना जोखिम भरा हो जाता है। इससे हादसे की आशंका बनी रहती है।



झाड़ियों से घिरा स्कूल जाने का रास्ता

तीन गांवों को जोड़ने वाले मार्ग पर बच्चों को परेशानी, ग्रामीणों ने सफाई की मांग

महराजगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महराजगंज विकासखंड के गजहरमऊ, गजाधरपुर और पूरा बलाई गांव को जोड़ने वाला संपर्क मार्ग झाड़ियों से घिरा है। इससे स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी हो रही है और अभिभावक उनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। यह मार्ग जौनपुर के महराजगंज में है। इस रास्ते के आसपास प्राथमिक विद्यालय, उच्च प्राथमिक विद्यालय, इंटर कॉलेज, डिग्री कॉलेज, इंग्लिश मीडियम स्कूल और संस्कृत पाठशाला हैं। छोटे बच्चों से लेकर कॉलेज के छात्र-छात्राएं रोज इसी रास्ते से पैदल आते-जाते हैं। सड़क के दोनों तरफ झाड़ियां बढ़ने से रास्ता संकरा हो गया है। सामने से वाहन आने पर बच्चों को निकलने में परेशानी होती है। झाड़ियों में जहरीले जीव-जंतुओं के छिपे होने की आशंका भी है।अभिभावकों का कहना है कि बच्चों को रोज इसी रास्ते से स्कूल जाना पड़ता है। उन्हें किसी अप्रिय घटना की चिंता रहती है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और ग्राम पंचायत प्रशासन से सड़क के दोनों तरफ की झाड़ियां काटने और सफाई कराने की मांग की है। राहुल, विनय, आशीष, मनोज, अभिषेक, कोमल, सोहन, रामलाल, गयादीन, रामखेलावन और पहलवान सहित अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द सफाई अभियान चलाने की मांग की है।

दीपावली की रात से लापता 42 वर्षीय मनोज सिंह का तालाब में मिला शव, इलाके में सनसनी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के बेला गांव स्थित तालाब में दीपावली की रात से लापता 42 वर्षीय मनोज सिंह का शव उतराता मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों को तालाब से दुर्गंध आने पर संदेह हुआ, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचकर शव की पहचान मनोज सिंह के रूप में हुई। सूचना मिलते ही पराऊगंज चौकी प्रभारी धर्मेंद्रदत्त पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को तालाब से निकलवाकर कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, ट्रक का पहिया ठीक कर रहे चालक की मौत

पुलिस ने शव और दोनों ट्रक कब्जे में लिए

सिंगरामऊ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिंगरामऊ थाना क्षेत्र में बछुआर गांव के पास गुरुवार को एनएच-731 पर ट्रक की टक्कर से चालक राकेश सिंह (48) की मौत हो गई। वह सड़क किनारे ट्रक का पहिया ठीक कर रहे थे। राकेश सिंह, सुल्तानपुर जिले के बंधुआ कला थाना क्षेत्र के बाबाजी का सागर के रहने वाले थे। वह ट्रक नंबर यूपी 44 एटी 2185 में औरंगाबाद, बिहार से बालू लादकर सुल्तानपुर लौट रहे थे। बछुआर गांव के पास ट्रक का अगला दाहिना पहिया फट गया था। राकेश सिंह ट्रक रोककर पहिया ठीक कर रहे थे, तभी जौनपुर की ओर से आ रहे ट्रक नंबर यूपी 15 डीटी 8799 ने उन्हें टक्कर मार दी। इस ट्रक को धर्मवीर कुमार चला रहे थे। वह रामकुमार के बेटे और बिंद्रा बाजार के उजुरमऊ के रहने वाले हैं। सूचना मिलने पर सिंगरामऊ पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने राकेश सिंह का शव और दोनों ट्रक कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू की।



महापर्व छठ पूजा के आयोजन को लेकर बरेका स्थित सूर्य सरोवर पर तैयारियां जोर-शोर से जारी

श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यक व्यवस्थाओं को दिया जा रहा है अंतिम रूप

साफ-सफाई, सुरक्षा, विद्युत प्रकाश एवं श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए किए जा रहे विशेष प्रबंध



वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में लोक आस्था, पवित्रता एवं सूयोर्पासना के महापर्व छठ पूजा के भव्य आयोजन को लेकर बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) स्थित सूर्य सरोवर परिसर में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इस पावन अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं के आगमन को ध्यान में रखते हुए परिसर की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, विद्युत प्रकाश, सजावट एवं आवागमन को सुगम बनाने के लिए व्यापक प्रबंध किए जा रहे हैं।

छठ पूजा के अवसर पर सूर्य सरोवर परिसर को रंग-बिरंगी विद्युत झालरों एवं आकर्षक रोशनी से सजाया जा रहा है, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय एवं उत्सवी वातावरण से आलोकित हो उठेगा। जन संपर्क अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि बरेका प्रशासन द्वारा छठ महापर्व को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं श्रद्धापूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं, ताकि श्रद्धालु सुविधाजनक रूप से इस पावन पर्व में सहभागिता कर सकें।

उल्लेखनीय है, कि बरेका स्थित सूर्य सरोवर में प्रत्येक वर्ष छठ महापर्व अत्यंत श्रद्धा, उत्साह एवं पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस दौरान हजारों की संख्या में व्रती महिलाएं, पुरुष एवं श्रद्धालु भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि तथा मंगलमय जीवन की कामना करते हैं। इस अवसर पर छठ व्रतियों की अटूट आस्था, लोक परंपरा एवं भक्ति का अद्भुत दृश्य देखने को मिलता है।

छठ पूजा का कार्यक्रम निम्नवत है:

सायंकालीन अर्घ्यः 15 नवंबर, 2026 (रविवार), सायं 5 बजे

प्रातःकालीन अर्घ्यः 16 नवंबर, 2026 (सोमवार)

पिता के सपने को बेटे ने दी उड़ान

FMGE में 160 अंक पाकर डॉक्टर सतीश सोनी ने बढ़ाया मछलीशहर का मान

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील क्षेत्र के आदलगंज गांव निवासी डॉ.सतीश सोनी ने FMGE (अक्टूबर 2026) परीक्षा में 160 अंक प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार सहित पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है।

डॉ. सतीश सोनी क्षेत्र के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. लल्लन प्रसाद सेठ के सबसे छोटे पुत्र हैं। पिता को चिकित्सा के क्षेत्र में सेवाएं देते देखकर बचपन से ही उनके मन में डॉक्टर बनने और समाज की सेवा करने का सपना था। कड़ी मेहनत और लगन से उन्होंने ट्इर की पढ़ाई पूरी की और अब FMGE परीक्षा में सफलता प्राप्त कर अपने पिता के सपने को साकार किया है।



सतीश की प्रारंभिक शिक्षा गांव में हुई। इसके बाद उन्होंने मड़ियाहूं स्थित सेंट जेवियर्स इंटर कॉलेज से हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी की। उनकी सफलता में परिवार का विशेष योगदान रहा। उनके बड़े भाई डॉ. आशीष सोनी निजी अस्पताल का संचालन करते हैं, जबकि दूसरे भाई प्रदीप सोनी इंद्रावती ज्वेलर्स के संचालक हैं।

डॉ. सतीश की सफलता की खबर मिलते ही गांव और क्षेत्र में खुशी का माहौल बन गया। परिजनों, रिश्तेदारों, मित्रों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उनकी उपलब्धि को क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया जा रहा है।

यूनियन ने अवैध टैक्सी-बसों पर रोक मांगी

शाहगंज में टूरिस्ट परमिट की आड़ में चलने का आरोप; संविदा कर्मियों को नियमित करने की मांग



शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अवैध टैक्सी और बसों के संचालन से परिवहन निगम को हो रहे राजस्व नुकसान का मुद्दा उठाया गया। यू.पी. रोडवेज एम्प्लाइज यूनियन ने अवैध वाहनों पर रोक लगाने की मांग की है। शाहगंज डिपो के कर्मचारियों और पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी को मुख्यमंत्री और शासन के नाम ज्ञापन सौंपा।

यूनियन का आरोप है कि शाहगंज से लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज और आजमगढ़ मार्ग पर इंडिका, टवेरा समेत अन्य बड़ी गाड़ियां टूरिस्ट परमिट की आड़ में सवारियां ढो रही हैं। यूनियन के मुताबिक, इससे रोडवेज बसों में यात्रियों की संख्या घट रही है और निगम को रोजाना राजस्व का नुकसान हो रहा है।

ज्ञापन में संविदा चालकों और परिचालकों को नियमित करने, मृतक आश्रितों को जल्द नौकरी देने और बसों के रखरखाव के लिए कार्यशालाओं को आधुनिक बनाने की मांग भी की गई। इस दौरान त्रिभुवन नरायन सिंह, अशोक कुमार सिंह, राजनाथ यादव और बृजेश कुमार समेत कई पदाधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

नहर की दोनों पुलिया क्षतिग्रस्त, ग्रामीणों ने मरम्मत और पुनर्निर्माण की मांग

◆ रात में साइकिल सवारों को नहर में गिरने का खतरा

महराजगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महराजगंज ब्लॉक के गजाधरपुर गांव में शारदा सहायक नहर खंड की दोनों पुलिया क्षतिग्रस्त हैं। ग्रामीणों ने इनकी मरम्मत और पुनर्निर्माण की मांग की है। इस रास्ते से रोज बड़े-छोटे वाहन, साइकिल सवार और पैदल राहगीर गुजरते हैं। पुलिया की हालत खराब होने से लोगों को आने-जाने में खतरा बना रहता है। ग्रामीणों के मुताबिक, दिन में लोग संभलकर निकल जाते हैं, लेकिन रात के अंधेरे में खतरा बढ़ जाता है। साइकिल सवारों और पैदल चलने वालों के नहर में गिरने की आशंका है। जयप्रकाश यादव, शिव यादव, अखिलेश यादव, रामपुर, सज्जन लाल, अरविंद राम पांडेय और शिव शंकर मिश्रा सहित ग्रामीणों ने नहर विभाग से दोनों पुलिया का जल्द पुनर्निर्माण कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से कहा है कि किसी हादसे का इंतजार किए बिना पुलिया ठीक कराई जाए, ताकि राहगीरों को सुरक्षित रास्ता मिल सके।



मिट्टी का चूल्हा, बांस का सूप, ठेकुआ और 36 घंटे का निर्जला व्रत हैं पर्व की खास पहचान

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लोक आस्था का महापर्व छठ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, अनुशासन, स्वच्छता और सामाजिक एकता का संदेश देता है। चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व में हर परंपरा का विशेष महत्व है।

खरना के बाद व्रती लगभग 36 घंटे का निर्जला व्रत रखते हैं। मिट्टी के चूल्हे पर गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद तैयार किया जाता है। वहीं बांस के सूप और दौरे में फल, नारियल, ठेकुआ व अन्य पूजन सामग्री सजाकर घाट तक ले जाई जाती है। छठ की सबसे प्रमुख परंपरा नदी, तालाब और पोखरों में खड़े होकर डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य देना है। ठेकुआ, केला, गन्ना और डाभ नींबू जैसे मौसमी फल पूजा की विशेष पहचान हैं।



यह महापर्व हमें प्रकृति और जलस्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता, आत्मसंयम तथा आपसी भाईचारे का संदेश देता है। यही वजह है कि छठ धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक समरसता और पर्यावरण संरक्षण का भी प्रतीक है।



महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अधिकारी डॉ. प्रमोद नंदगावकर को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं



मुंबई। महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. प्रमोद नंदगावकर के जन्मदिन के अवसर पर 13 नवंबर 2025, शुक्रवार को उनके सायन (पूर्व), मुंबई स्थित कार्यालय में शुभकामना कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर सामाजसेवक सुखबिंदर सिंह (लाला भाई) एवं इंद्रप्रीत सिंह सहित अन्य गणमान्य लोगों ने डॉ. प्रमोद नंदगावकर को पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यालय के समस्त स्टाफ ने भी उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस मौके पर डॉ. नंदगावकर ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया तथा उनके लिए अल्पाहार की व्यवस्था कर आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

पुरानी पेंशन बहाली और टीईटी की अनिवार्यता खत्म करने को शिक्षक करेंगे हुंकार, 18 नवंबर को बीएसए कार्यालय पर धरना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शिक्षकों की लंबित समस्याओं को लेकर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर 18 नवंबर को जिले के शिक्षक जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर में तीन घंटे का धरना देंगे। इस संबंध में शुक्रवार को जिलाध्यक्ष अरविंद कुमार शुक्ला के नेतृत्व में शिक्षक प्रतिनिधिमंडल ने नगर मजिस्ट्रेट से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष अरविंद कुमार शुक्ला ने कहा कि बेसिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों की कई न्यायोचित मांगें लंबे समय से शासन और जनपद स्तर पर लंबित हैं, लेकिन अब तक उनका समाधान नहीं हो सका है। प्रमुख मांगों में पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की तत्काल बहाली, सभी शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से मुक्त करने तथा प्रत्येक विद्यालय में प्रधानाध्यापक पद पर अनिवार्य रूप से पदोन्नति सुनिश्चित करने सहित अन्य मांगें शामिल हैं। उन्होंने बताया कि 18 नवंबर 2026 को अपराह्न दो बजे से शाम पांच बजे तक बीएसए कार्यालय परिसर में एक दिवसीय धरना आयोजित किया जाएगा। धरना समाप्त होने के बाद जिलाधिकारी अथवा उनके प्रतिनिधि को मांगों से संबंधित विस्तृत ज्ञापन सौंपा जाएगा। जिलाध्यक्ष अरविंद कुमार शुक्ला एवं जिला मंत्री रविचंद्र यादव ने जिले के सभी विकास खंडों के पदाधिकारियों और शिक्षक साथियों से आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला मंत्री रविचंद्र यादव, लक्ष्मीकांत सिंह, वीरेंद्र प्रताप सिंह, विष्णु तिवारी, विक्रम प्रकाश यादव, रामप्रसाद यादव, सुनील कुमार यादव, दीपक सिंह, घनश्याम मौर्य, अवधेश मौर्य, भरत बरनवाल, ओम प्रकाश यादव और आशीष यादव सहित अनेक शिक्षक पदाधिकारी मौजूद रहे।

जौनपुर: पुलिस चौकी प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल, कई को मिली नई जिम्मेदारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने गुरुवार देर रात जिले में कई चौकी प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल करते हुए नई तैनाती की है। इस बदलाव के तहत कई उपनिरीक्षकों को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। जारी आदेश के अनुसार सिपाह चौकी प्रभारी रहे आलोक कुमार त्रिपाठी को सरायपोख्ता चौकी का प्रभारी नियुक्त किया गया है। सरायपोख्ता चौकी प्रभारी रहे राहुल रंजन के निलंबन के बाद करीब एक सप्ताह से यह पद रिक्त चल रहा था। वहीं जलालपुर थाने में तैनात उपनिरीक्षक आशीष पांडेय को सिपाह चौकी की जिम्मेदारी दी गई है। इसी क्रम में राज कॉलेज चौकी पर तैनात उपनिरीक्षक सुनील कुमार यादव को जफराबाद कस्बा चौकी प्रभारी बनाया गया है, जबकि जफराबाद चौकी प्रभारी रहे राधेश्याम सिंह को राज कॉलेज चौकी की कमान सौंपी गई है। इस फेरबदल के बीच शंकरमंडी चौकी प्रभारी कंचन पांडेय की तैनाती में कोई बदलाव नहीं किया गया है। उनकी लंबे समय से एक ही चौकी पर तैनाती को लेकर चर्चा बनी हुई है। बताया जा रहा है कि वह करीब चार वर्षों से इसी चौकी पर प्रभारी के रूप में कार्यरत हैं।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने सहरसा में शुरू की किफायती डायलिसिस यूनिट

सहरसा(उत्तरशक्ति)। एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने एफएक्सबी इंडिया सुरक्षा के साथ साझेदारी में बिहार के सहरसा में स्थित श्री नारायण मेडिकल इंस्टीट्यूट एंड हॉस्पिटल में 10 बेज वाली एक आधुनिक डायलिसिस यूनिट का उद्घाटन किया है। जहाँ ऑन-साइट आरओ प्लांट, आइसोलेशन बे और प्रशिक्षित स्टाफ की सुविधा उपलब्ध है। सहरसा के डीएम दीपेश कुमार आईएएस की मुख्य उपस्थिति में शुरू हुआ यह केंद्र सहरसा, विशाखापत्तनम, नोएडा, रोहतक और लखनऊ में मार्च 2027 तक स्थापित होने वाले 5 केंद्रों की श्रृंखला का पहला केंद्र है। जिससे अब स्थानीय किडनी मरीजों को इलाज के लिए पटना या अन्य दूर-दराज के शहरों की यात्रा नहीं करनी पड़ेगी। सभी केंद्रों में लगभग 54,000 डायलिसिस सेशन किए जा सकेंगे। इस अवसर पर एचडीएफसी बैंक की सीएसआर प्रमुख नुसरत पठान ने कहा कि यह पहल जरूरतमंद परिवारों को उनके घर के करीब ही सम्मानजनक और किफायती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की बैंक की प्रतिबद्धता का पहला महत्वपूर्ण कदम है। एफएक्सबी इंडिया सुरक्षा के सीईओ सत्य प्रकाश ने एचडीएफसी बैंक परिवर्तन का आभार व्यक्त किया कि वे उन समुदायों तक अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचा रहे हैं, जहां अब तक ये सुविधाएं नहीं पहुंच पाई थीं।

सोनालीका ने अप्रैल से अक्टूबर 2026 तक ट्रैक्टरों की बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया

पटना(उत्तरशक्ति)। भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड सोनालीका ट्रैक्टर्स ने अप्रैल-अक्टूबर 2026 के दौरान 1,21,148 ट्रैक्टरों की अब तक की सर्वाधिक कुल बिक्री वाईटीएम की एक शानदार उपलब्धि दर्ज की है। कंपनी ने घरेलू बाजार में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए अब तक के सबसे कम समय में 1 लाख ट्रैक्टरों की बिक्री का रिकॉर्ड बनाया है। अपनी 30वीं वर्षगांठ के इस खास साल में हासिल की गई यह उपलब्धि कंपनी की विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता और कृषि के भविष्य के लिए लगातार विस्तृत होते विजन को दशार्ता है जो बड़े लक्ष्यों को शानदार उपलब्धियों में बदल रहा है। सोनालीका ने लगातार इंडस्ट्री की ग्रोथ को पीछे छोड़ा और गर्व के साथ अब तक के सबसे कम समय में एक लाख ट्रैक्टरों की घरेलू बिक्री का रिकॉर्ड भी बनाया है। इस उपलब्धि पर रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड ने कहा यह उपलब्धि हमारी टीम के सामूहिक प्रयासों और किसानों के हम पर अटूट भरोसे को दशार्ता है। भारतीय किसानों की बढ़ती आकांक्षाओं के साथ हमारी जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है कि हम उन्हें बेहतर उत्पाद, तेज नवाचार और आधुनिक कृषि समाधान उपलब्ध कराएं।

ट्रैक्टर ठीक करते समय चालक की कुचलकर मौत

आजमगढ़। पवई थाना क्षेत्र के ओरिल डीहवा गांव के पास बुधवार की शाम एक दर्दनाक हादसा हो गया। ट्रैक्टर ठीक कर रहे चालक प्रदीप यादव (40) की उसी ट्रैक्टर से कुचलकर मौत हो गई। नाहरपुर गांव निवासी प्रदीप ट्रैक्टर चलाते थे। वह बुधवार को धान की कुटाई करने के लिए घर से ट्रैक्टर लेकर निकले थे। शाम को घर लौटते समय ओरिल डीहवा गांव के पास उनका ट्रैक्टर खराब हो गया। प्रदीप ट्रैक्टर के अगले पहिए पर बैठकर उसमें पंप मारकर उसे ठीक करने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान ट्रैक्टर अचानक स्टार्ट होकर चलने लगा। प्रदीप अनियंत्रित होकर गिर गए और ट्रैक्टर ने उन्हें कुचल दिया।

25 नवंबर 2026 को 48वें जमनालाल बजाज पुरस्कारों के माध्यम से गांधीवादी योद्धाओं होंगे सम्मानित



मुंबई। जमनालाल बजाज फाउंडेशन पुरस्कार 25 नवंबर 2026 को अपने 48वें संस्करण के साथ लौट रहे हैं। इन पुरस्कारों के जरिए उन लोगों को सम्मानित किया जाएगा, जिनके कार्यों में गांधीवादी आदर्श झलकते हैं, जो मानवतावादी सेवा को बढ़ावा देते हैं और रचनात्मक कार्यों के प्रति श्री जमनालाल बजाज की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हैं। महात्मा गांधी के 'पांचवें पुत्र' के रूप में जाने जाने वाले जमनालाल बजाज ने अपना जीवन गांधीवादी विचारों पर आधारित सामाजिक प्रगति के लिए समर्पित कर दिया था। उनकी स्मृति में शुरू किए गए ये पुरस्कार आज भी उन लोगों को सम्मानित करते हैं, जिनके प्रयास समुदायों को मजबूत बनाते हैं और समाज पर गहरा व स्थायी प्रभाव डालते हैं।

भूटान की प्रिंसेस सोनम देचान वांगचुक इस वर्ष के समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। मुंबई में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जमनालाल बजाज फाउंडेशन के बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के चेयरमैन शेखर बजाज करेंगे।

उनके साथ फाउंडेशन के ट्रस्टी और नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी, ट्रस्टी और काउंसिल ऑफ एडवाइजर्स के चेयरमैन डॉ. आर. ए. माशेलकर; तथा फाउंडेशन की ट्रस्टी और मानद निदेशक मीनल बजाज भी उपस्थित रहेंगी।

जमनालाल बजाज फाउंडेशन के चेयरमैन, शेखर बजाज कहते हैं, आज की दुनिया गहरे भू-राजनीतिक तनाव, अनिश्चितता और बढ़ते विभाजन का सामना कर रही है। ऐसे समय में, महात्मा गांधी और श्री जमनालाल बजाज द्वारा बताए गए सिद्धांत - टकराव के बजाय संवाद, उदासीनता के बजाय करुणा, और स्वयं से ऊपर उठकर सेवा करना - आज भी अत्यंत प्रासंगिक हैं। 'जमनालाल बजाज पुरस्कार' उन लोगों को सम्मानित करता है जो इन आदर्शों को अपने कार्यों में उतारते हैं और दिखाते हैं कि समुदायों के भीतर से ही सार्थक बदलाव की शुरूआत हो सकती है, जो पूरी दुनिया को प्रेरित कर सकता है।

बजाज जनरल इंश्योरेंस ने सड़क सुरक्षा, मोटर बीमा और सरकारी दुर्घटना सहायता योजनाओं के बारे में किया जागरूक



मुंबई। भारत की प्रमुख प्राइवेट जनरल इंश्योरेंस कंपनियों में से एक बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड (पूर्व नाम बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड) ने जमीनी स्तर पर जनभागीदारी की पहल के तहत सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए पुणे ट्रैफिक पुलिस के साथ साझेदारी की है। इस पहल के तहत, कंपनी ने पुणे के येरवडा बजाज जनरल मेट्रो स्टेशन पर एक डिजिटल शाखा का उद्घाटन किया है, जिसके माध्यम से यात्रियों को मोटर बीमा से जुड़ी जरूरी जानकारी और सड़क दुर्घटना में सहायता से जुड़ी पहलों के बारे में जागरूक किया जाएगा। यह डिजिटल शाखा हर दिन इस स्टेशन से आने-जाने वाले हजारों यात्रियों को ध्यान में रखकर बनाई गई है, जहां से वाहन मालिक आसानी से अपने थर्ड पार्टी (टीपी) मोटर बीमा की वैधता जांच सकते हैं। क्यूआर कोड स्कैन करके वे पता कर सकते हैं कि उनके वाहन की टीपी बीमा पॉलिसी मान्य है या नहीं, और अगर जरूरत हो, तो वे कुछ ही मिनटों में डिजिटल माध्यम से पॉलिसी खरीद भी सकते हैं। इस पहल का उद्देश्य बीमा से जुड़ी जानकारी को अधिक सुलभ बनाना और वाहन मालिकों को मोटर बीमा से जुड़े कानूनी दायित्वों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

बजाज जनरल इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ डॉ. तपन सिंघल ने कहा, सड़क दुर्घटना की हर घटना के पीछे सबसे पहले एक इंसानी कहानी होती है: एक पिता जो घर नहीं लौटा, एक बच्चा जो दरवाजे पर इंतजार कर रहा है। बीमा का असली उद्देश्य एक वादा करना है कि ऐसे मुश्किल समय में कोई भी परिवार खुद को अकेला महसूस न करे। पुणे बजाज का अपना शहर है और बजाज ग्रुप के 100 वर्ष और बजाज जनरल इंश्योरेंस के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर हम इस शहर को कुछ ऐसा वापस देना चाहते थे जो सच में मायने रखता हो।

खेतासराय में पुलिस पिकेट के सामने महिला के गले से ढाई लाख की सोने की चेन गायब, तीन संदिग्ध महिलाएं फरार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय कस्बे के मुख्य चौराहे पर पुलिस पिकेट के सामने ई-रिक्शा सवार महिला के गले से तीन महिलाओं ने करीब पौने दो तोले की सोने की चेन उड़ा दी। चेन की कीमत लगभग ढाई लाख रुपये बताई जा रही है। वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों महिलाएं भीड़भाड़ वाले इलाके से फरार हो गईं। पुलिस पिकेट के सामने हुई इस घटना ने कस्बे की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, बीरी शमसुद्दीनपुर निवासी महगीना पत्नी मोतीलाल अपनी बहू प्रभावती के साथ अमरेथुआ गांव निवासी रिश्तेदार चंद्रेश के घर आयोजित शुद्धक कार्यक्रम में शामिल होने जा रही थीं।

दोनों बीरी गांव से ई-रिक्शा पर सवार हुईं। रास्ते में कस्बे के दुर्गा मंदिर के पास तीन अन्य महिलाएं भी उसी ई-रिक्शा में सवार हो गईं। बताया जाता है कि मुख्य चौराहे पर पुलिस पिकेट के सामने पहुंचते ही तीनों महिलाएं ई-रिक्शा से उतरकर चली गईं। कुछ देर बाद महगीना के गले से सोने की चेन गायब होने की जानकारी हुई। आशंका है कि ई-रिक्शा में सफर के दौरान ही तीनों महिलाओं ने मौका पाकर चेन पार कर दी। पुलिस पिकेट के सामने हुई इस वारदात से स्थानीय लोगों में आक्रोश और दहशत का माहौल है। लोगों ने कस्बे में सक्रिय महिला चेन उचक्कों पर अंकुश लगाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

स्वच्छता पर सवाल उठाने वाले विपक्ष को महापौर ने दिया जवाब, बोले-परिणाम आने तक करें इंतजार

-प्रणित नरेंद्र तिवारी



इंदौर(उत्तरशक्ति)। स्वच्छता सर्वेक्षण के परिणाम और इंदौर की रैंकिंग को लेकर विपक्ष के सवालों के बीच महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने पलटवार किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर कहा कि इंदौर इंडिविजुअल सिटी कैटेगरी में इस बार भी देशभर में नंबर वन है।

हालांकि, स्वच्छता सर्वेक्षण का डैशबोर्ड जारी होने के बाद ही सभी शहरों के नंबर और स्थिति स्पष्ट होगी। महापौर ने विपक्षी नेताओं को निशाने पर लेते हुए कहा कि परिणाम आने से पहले सफाई मित्रों की मेहनत और शहर की प्रतिष्ठा पर सवाल खड़े करना उचित नहीं है।

सफाई मित्रों की अथक मेहनत के कारण शहर ने एक बार फिर व्यक्तिगत शहरों की श्रेणी में शीर्ष स्थान हासिल किया है। इस बार पुरस्कार वितरण पहले हुआ है, जबकि सामान्य तौर पर पहले डैशबोर्ड जारी होता है और उसके बाद पुरस्कार समारोह आयोजित किया जाता है। इस बार वन सिटी-वन अवॉर्ड के क्राइटेरिया के तहत पुरस्कार दिए गए हैं। डैशबोर्ड जारी होने के बाद पूरी तस्वीर सामने आ जाएगी। महापौर ने स्वच्छता जोड़ी श्रेणी में इंदौर को मिले दूसरे स्थान का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इंदौर ने मेंटर सिटी के रूप में देपालपुर को आगे बढ़ाने का काम किया। पिछले वर्ष 1700 से अधिक अंकों के साथ पीछे रहने वाले देपालपुर को इस बार देशभर में दूसरे स्थान तक पहुंचाने में इंदौर की अहम भूमिका रही। इसके लिए इंदौर को मेंटर के रूप में भी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है।विपक्ष पर निशाना साधते हुए महापौर ने कहा कि यह शहर जितना उनका है, उतना ही विपक्ष का भी है। शहर के परिणाम आने तक इंतजार करना चाहिए। बिना परिणाम आए सफाई मित्रों की मेहनत पर सवाल खड़े करना और शहर की छवि खराब करना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्षी नेता व्यक्तिगत रूप से उन पर आरोप लगाएं, उन्हें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन सफाई मित्रों की मेहनत और इंदौर की स्वच्छता से जुड़ी प्रतिष्ठा पर सवाल उठाना शहर के साथ धोखा है। महापौर ने विपक्ष से अपील की कि वे स्वच्छता सर्वेक्षण का डैशबोर्ड जारी होने तक धैर्य रखें। परिणाम सामने आते ही इंदौर की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

एक्साइड ने ए.आई. और सेल्सफोर्स की मदद से कस्टमर अनुभव को बेहतर बनाया

मुंबई। नं. 1 एआई सीआरएम, सेल्सफोर्स ने आज घोषणा करके बताया कि भारत की अग्रणी बैटरी और एनर्जी सॉल्यूशंस कंपनी, एक्साइड इंडस्ट्रीज सेल्सफोर्स की मदद से कस्टमर इंगेजमेंट को एकीकृत कर रही है, जिससे अगली पीढ़ी के कस्टमर एवं सर्विस एक्सीलेंस की बुनियाद स्थापित होगी। डेटा, एआई और ऑपरेशंस के एकीकृत होने से एक्साइड को बेहतर डिसीजन-मेकिंग में मदद मिलेगी और कंपनी अपने बी2बी एवं बी2सी बिजनेस में सुगम व कनेक्टेड अनुभव प्रदान कर सकेगी। एक्साइड ने सेल्स क्लाउड, सर्विस क्लाउड, फील्ड सर्विस क्लाउड, मार्केटिंग क्लाउड और एक्सपीरिएंस क्लाउड को तैनात किया है, ताकि ग्राहकों का पूरा अनुभव एक ही प्लेटफॉर्म पर एकीकृत हो सके।

आज सेल्सफोर्स द्वारा देश में एक्साइड के 1,20,000 से अधिक डीलर्स, 20,000 मेकेनिक्स, 6,000 सर्विस टेक्नीशियंस और 1,000 सेल्स पर्सनल्स को एकीकृत किया जाता है, जिससे टीमों को ग्राहकों के साथ बातचीत, सर्विस हिस्ट्री, वॉरंटी, और पार्टनर ऑपरेशंस का 360 डिग्री व्यू मिलता है। इसकी मदद से सर्विस रिस्पॉन्स टाइम कई दिनों से घटकर कुछ घंटे रह गया है, वहीं शिकायत निवारण का टर्न-अराउंड टाइम 30% बेहतर हो गया है, जिससे एक्साइड को ज्यादा तेज और प्रभावशाली कस्टमर सपोर्ट प्रदान करने में मदद मिली है। अब 95% से अधिक शिकायतों का निवारण केवल एक विजिट में हो जाता है। एक्साइड इंडस्ट्रीज के चीफ डिजिटल एवं इन्फॉर्मेशन ऑफिसर, रवि कुमार ने कहा, हम केवल प्रक्रिया के डिजिटाइजेशन तक सीमित नहीं हैं। बल्कि हम एक ऐसा इंटैलिजेंट कस्टमर ऑपरेशंस प्लेटफॉर्म बना रहे हैं, जिसमें डेटा, एआई और ऑटोमेशन मिलकर ग्राहकों की जरूरतों का अनुमान लगा सकें, हमारे डीलर इकोसिस्टम को मजबूत बना सकें और हमारी टीमों को ज्यादा तेजी से निर्णय लेने में मदद कर सकें। सेल्सफोर्स हमें एक डिजिटल आधार प्रदान करता है, जो हमारे इस उद्देश्य को पूरा कर ग्राहकों के अनुभव को लगातार बेहतर बनाने में हमारी मदद करता है। मनकीरन चौहान, मैनेजिंग डायरेक्टर, सेल्सफोर्स इंडिया ने कहा, मैन्युफैक्चरिंग का अगला दौर इंडस्ट्रियल इंटेलीजेंस द्वारा संचालित होगा, जिसमें कनेक्टेड डेटा, एआई-पॉवर्ड इनसाइट्स, और ऑपरेशनल सिस्टम्स मिलकर फैक्ट्री फ्लोर से लेकर बोर्डरूम तक ज्यादा स्मार्ट डिसीजन लेने में मदद करेंगे।

पिकअप की टक्कर से रेलवे फाटक का बूम टूटा, चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के नाथूपुर स्थित रेलवे फाटक पर गुरुवार की देर शाम एक पिकअप वाहन की टक्कर से फाटक का बूम टूटकर लटक गया। इससे कुछ देर तक आवागमन बाधित रहा और जाम की स्थिति बन गई। जानकारी के अनुसार, शाम करीब 6:20 बजे एक पिकअप वाहन ने रेलवे फाटक के बूम में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बूम क्षतिग्रस्त होकर लटक गया। घटना की सूचना मिलते ही आरपीएफ चौकी प्रभारी जफराबाद प्रभु नारायण सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने तत्काल स्लाइडर बूम लगवाकर ट्रेनों का संचालन सुचारू कराया। इस दौरान आरपीएफ जवानों ने वाहनों का आवागमन नियंत्रित किया। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद रात 9:20 बजे क्षतिग्रस्त बूम को ठीक करा दिया गया। आरपीएफ चौकी प्रभारी प्रभु नारायण सिंह ने बताया कि पिकअप चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

गंदगी से कराह रहा जौनपुर, बजबजाती नालियां दे रहीं बीमारियों को न्योता, नगर पालिका के दावे फेल,

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर नगर पालिका प्रशासन के दावों की जमीनी हकीकत कुछ और ही तस्वीर बयां कर रही है। शहर के ओलंदगंज, पुराना मछरहट्टा और चहरसू चौराहा सहित विभिन्न इलाकों में फैली गंदगी, बजबजाती नालियां और जगह-जगह जमा कूड़े के ढेर लोगों के लिए मुसीबत बने हुए हैं। नालियों से उठती तेज दुर्गंध के कारण स्थानीय लोगों, दुकानदारों और राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, बदबू के बीच सरकारी कर्मचारि अपनी नियमित ड्यूटी करने को मजबूरहै। शहर के कई हिस्सों में नालियों की नियमित सफाई नहीं होने से उनमें कचरा जमा है। गंदगी और दूषित पानी के चलते मच्छरों का प्रकोप बढ़ने के साथ ही संक्रामक एवं संचारी रोगों का खतरा भी मंडराने लगा है। ऐसे में लोगों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। एक तरफ स्वच्छता अभियान के जरिए साफ-सुथरे शहर का संदेश दिया जाता है, वहीं दूसरी तरफ सड़कों और नालियों की स्थिति इन दावों पर सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर पालिका की ओर से बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन नियमित सफाई के अभाव में कई स्थानों पर गंदगी जमा रहती है। नालियों की समय से सफाई नहीं होने के कारण दुर्गंध फैल रही है। इसका असर आम जनजीवन पर पड़ रहा है। दुकानदारों और आसपास रहने वाले लोगों को दिनभर बदबू के बीच रहना पड़ रहा है। शहरवासियों के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर नगर पालिका प्रशासन की सफाई व्यवस्था धरातल पर कब दिखाई देगी? क्या जिम्मेदार अधिकारी इन इलाकों का निरीक्षण कर नियमित सफाई सुनिश्चित करेंगे? लोगों को उम्मीद है कि प्रशासन इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए नालियों की सफाई, कूड़े का नियमित उठान और दवा छिड़काव जैसी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेगा, ताकि शहरवासियों को गंदगी और दुर्गंध से राहत मिल सके।

नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र के तीन प्रमुख चौराहों पर लगेंगे ट्रैफिक सिग्नल : राजन नाईक



वसई-विरार (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा और विरार के प्रमुख चौराहों पर लगने वाले ट्रैफिक जाम से नागरिकों को जल्द राहत मिलने वाली है। भाजपा विधायक राजन नाईक के लगातार प्रयासों और फॉलोअप के बाद नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र के तीन प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल लगाए जाएंगे। इसके लिए महानगरपालिका प्रशासन की ओर से वर्क ऑर्डर जारी कर दिए गए हैं।

इनमें नालासोपारा स्थित लक्ष्मीबेन छेड़ा मार्ग चौक, विरार पश्चिम का मणिबाई गोपाल चौक और तिरुपति बाजार चौक शामिल हैं। इस परियोजना पर करीब 1 करोड़ 4 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।

क्षेत्र में बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या के कारण इन चौराहों पर विशेषकर सुबह और शाम के व्यस्त समय में भारी ट्रैफिक जाम की समस्या बनी रहती थी। इससे आम नागरिकों के साथ-साथ एंबुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाओं को भी परेशानी होती थी।

इस समस्या को देखते हुए भाजपा पार्षद सान्वी संजोग यांडे ने विधायक राजन नाईक से संबंधित चौराहों पर सिग्नल व्यवस्था शुरू करने की मांग की थी। इसके बाद विधायक राजन नाईक ने 10 नवंबर 2025 और 2 सितंबर 2026 को महानगरपालिका आयुक्त को पत्र लिखकर सिग्नल लगाने की मांग की। उन्होंने आयुक्त पृथ्वीराज बी.पी. से इस विषय पर चर्चा भी की थी।

लगातार प्रयासों के बाद महानगरपालिका प्रशासन ने तीनों चौराहों पर सिग्नल लगाने के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर वर्क ऑर्डर जारी कर दिए हैं। इस निर्णय से क्षेत्र के नागरिकों में खुशी है। नागरिकों ने इस पहल के लिए विधायक राजन नाईक और पार्षद सान्वी यांडे के प्रति आभार व्यक्त किया है।





कालिंदी में कूदे यशोदानंदन, कालिया के फन पर छेड़ी मुरलिया

-सुरेश गांधी

वाराणसी। सांझ की सुनहरी आभा गंगा की लहरों पर उतर रही थी। तुलसीघाट की सीढ़ियां श्रद्धा के सैलाब से सराबोर थीं। कहीं शंखनाद की गूंज थी तो कहीं घंट-घड़ियाल की मधुर ध्वनि। गंगा की लहरों पर सजी नावों और बजड़ों से लेकर घाट की अटारियों तक निगाहें एक ही दृश्य पर टिकी थीं। आस्था ने मानो द्वापर युग का द्वार खोल दिया। गंगा की लहरें कालिंदी बन गईं, घाट वृंदावन में तब्दील हो गया. देखते ही देखते काशी का तुलसीघाट वृंदावन के यमुना तट में बदल गया। तभी कदंब की डाल पर विराजे नटवर नागर ने मुरली की तान छेड़ी और ब्रजविलास के दोहे 'यह कहि नटवर मदन गोपाला, कूद परे जल में नंदलाला...' की स्वर लहरियों के बीच यशोदानंदन ने कालिंदी रूपी गंगा में छलांग लगा दी। एक पल को जैसे समय ठहर गया। लाखों श्रद्धालुओं की सांसें थम गईं। कान्हा की एक झलक पाने को लाखों आंखें गंगा की लहरों पर टिक गईं। कुछ पल के लिए घाट पर सन्नाटा छा गया। फिर कालिया नाग के विशाल फन पर बांसुरी बजाते हुए कान्हा के प्रकट होते ही समूचा वातावरण 'जय श्रीकृष्ण', 'बांके बिहारी लाल की जय' और 'हर-हर महादेव' के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। घंट-घड़ियाल, शंखनाद, डमरुओं की थाप और महताबी की रोशनी के बीच ऐसा लगा मानो काशी नहीं, साक्षात वृंदावन के यमुना तट पर खड़े हों। यह दृश्य किसी रंगमंच पर सजी काल्पनिक प्रस्तुति का नहीं, बल्कि काशी की उस जीवंत परंपरा का था, जिसमें पांच शताब्दियों से अधिक समय से द्वापर युग का प्रसंग हर वर्ष श्रद्धालुओं की आंखों के सामने साकार होता आ रहा है।



शुक्रवार को विश्वप्रसिद्ध नाग नथैया लीला के साक्षी बने लाखों श्रद्धालुओं के लिए तुलसीघाट पर बिताया गया हर क्षण अविस्मरणीय बन गया।

गेंद की तलाश में निकले कान्हा, कालिया के दर्प को दी चुनौती

गोधूलि बेला में श्रीकृष्ण अपने सखा सुदामा और ग्वाल-बालों के साथ गेंद खेलने में मगन थे। खेल की मस्ती में गेंद कब गंगा रूपी यमुना की गहराइयों में जा गिरी, पता ही नहीं चला। गेंद लाने के लिए नंदलाल जैसे ही आगे बढ़े, सखाओं ने उन्हें रोकना चाहा। यमुना के जल में कालिया नाग के विष का भय दिखाया गया। लेकिन अपने सखाओं की गेंद लौटाने और कालिया के आतंक से यमुना को मुक्त कराने का संकल्प लिए कान्हा कहां रुकने वाले थे। वे धीरे-धीरे कदंब की डाल पर चढ़ने लगे। कदंब की ऊंची डाल पर पहुंचकर उन्होंने चहुंओर उपस्थित भक्तों को दर्शन दिए। फिर अधरों पर मुरली सजाई। बांसुरी की तान और ब्रजविलास के दोहों के बीच जैसे ही 'कूद परे जल में नंदलाला' का स्वर मुखर हुआ, कान्हा ने गंगा की लहरों में छलांग लगा दी। यह क्षण इतना अप्रत्याशित और रोमांचकारी था कि श्रद्धालुओं के कंठ से अनायास पुकार फूट पड़ी। किसी ने हाथ जोड़ लिए तो किसी की आंखें सजल हो उठीं। हजारों मोबाइल कैमरे एक साथ उस क्षण को सहेजने में जुट गए।

लहरों के गर्भ से निकले गिरधर, कालिया के फन पर विराजे

गंगा की जलराशि में कान्हा के ओझल होते ही घाट पर प्रतीक्षा का एक लंबा-सा मौन पसर गया। हर कोई अपलक जलराशि को निहार रहा था। उधर, गंगा की गोद में पहले से तैयार विशेष पीपे के जाल और विशेषज्ञ तैराकों की सहायता से बाल स्वरूप श्रीकृष्ण को कालिया नाग की प्रतिकृति तक पहुंचाया गया। करीब पांच मिनट तक चली इस रोमांचक प्रक्रिया के बाद अचानक कालिया नाग के विशाल फन पर नंदलाल प्रकट हुए। कालिया के फन पर चरण रखे, हाथों में मुरली थामे और अधरों पर मंद मुस्कान लिए बाल गोपाल की छवि देखते ही श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा। घंट-घड़ियाल, शंखनाद, डमरुओं की थाप और महताबी की जगमगाहट के बीच कान्हा की छवि ऐसी प्रतीत हो रही थी, मानो यमुना की लहरों पर स्वयं ब्रज के बिहारी विराजमान हों। चारों दिशाओं से कपूर की आरती उतारी जाने लगी। गंगा में खड़े बजड़ों और नावों पर सवार श्रद्धालु भी हाथ जोड़कर प्रभु का अभिनंदन करने लगे। किसी की आंखों में विस्मय था तो किसी के चेहरे पर आनंद की आभा। मोबाइल और कैमरों में इस अलौकिक पल को कैद करने की होड़ के बीच जयकारों से आकाश तक गूंज उठा।

तुलसीघाट बना वृंदावन, गंगा की लहरों में उतर आया ब्रज

नाग नथैया की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यहां लीला केवल देखी नहीं जाती, बल्कि उसका हिस्सा बनकर उसे जिया जाता है। घाट की सीढ़ियों पर बैठे श्रद्धालु हों या छतों और अटारियों से दर्शन करते लोग, सभी कुछ देर के लिए अपने वर्तमान परिवेश को भूलकर द्वापर की स्मृतियों में खो जाते हैं। गंगा में सजी नावें यमुना के घाटों का आभास कराती हैं तो कदंब की डाल और कालिया नाग की प्रतिकृति ब्रजभूमि का सजीव चित्र उपस्थित कर देती है। नाग नथैया की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यहां लीला केवल देखी नहीं जाती, बल्कि उसका हिस्सा बनकर उसे जिया जाता है। घाट की सीढ़ियों पर बैठे श्रद्धालु हों या छतों और अटारियों से दर्शन करते लोग, सभी कुछ देर के लिए अपने वर्तमान परिवेश को भूलकर द्वापर की स्मृतियों में खो जाते हैं। गंगा में सजी नावें यमुना के घाटों का आभास कराती हैं तो कदंब की डाल और कालिया नाग की प्रतिकृति ब्रजभूमि का सजीव चित्र उपस्थित कर देती है। काशीराज परिवार के वंशज कुंवर अनंत नारायण सिंह भी अपने परिवार के साथ परंपरागत बजड़े पर सवार होकर लीला दर्शन के लिए पहुंचे। घाट पर उमड़े विशाल जनसमूह को व्यवस्थित रखने के लिए जिला प्रशासन की ओर से पुलिस और पीएसी के जवान तैनात रहे।

दिवा में आधुनिक तरीके से आठ वर्षों से हो रही छठ पूजा की तैयारी



कृतिम तालाब में उमड़ेगा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

मुंबई / दिवा। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर दिवा में तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। उत्तर भारतीय मंडल, दिवा की ओर से हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी छठी मैया की पूजा आधुनिक और व्यवस्थित तरीके से आयोजित की जा रही है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में माताएं, बहनें और श्रद्धालु कृतिम तालाब में भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर छठी मैया की आराधना करेंगे। गौरतलब है कि उत्तर भारतीय मंडल, दिवा द्वारा पिछले आठ वर्षों से लगातार कृतिम तालाब का निर्माण कर छठ पूजा का आयोजन किया जा रहा है। मंडल की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा और पूजा की बेहतर व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस आयोजन से दिवा में रहने वाले उत्तर भारतीय समाज के लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। बजरंगबली शर्मा, उपाध्यक्ष बी.के. चौरसिया तथा कोषाध्यक्ष आनंद शाह सहित मंडल के अन्य सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। आयोजकों का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक वातावरण में छठी मैया की पूजा करने का अवसर प्रदान करना है। छठ पर्व के प्रति लोगों की गहरी आस्था और मंडल के निरंतर प्रयासों से दिवा में यह आयोजन सामाजिक एकता, भाईचारे और धार्मिक परंपरा का प्रतीक बनता जा रहा है।

जौनपुर: प्रेमिका से मिलने पहुंचे युवक को स्वजनों ने पकड़ा, मंदिर में रचाई शादी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन थाना क्षेत्र के एक गांव में गुरुवार की रात प्रेमिका से मिलने पहुंचे युवक को उसके स्वजनों ने पकड़ लिया। बताते है कि करौंदीकला थाना क्षेत्र के हिंदुआबाद गांव निवासी युवक का युवती से कई वर्षों से प्रेम संबंध था। गुरुवार की रात वह चुपके से युवती के घर पहुंचा और उसके कमरे में चला गया। कमरे के भीतर दोनों के बीच बातचीत की आवाज सुनकर युवती के स्वजनों को संदेह हुआ। दरवाजा खटखटाने पर युवती ने दरवाजा खोला तो भीतर युवक भी मौजूद मिला। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस दोनों को थाने ले गई। वहां दोनों पक्षों के लोगों के बीच घंटों पंचायत चली। युवक और युवती के बालिग एवं स्वजातीय होने के चलते परिवारों ने आपसी सहमति से उनका विवाह कराने का निर्णय लिया। इसके बाद कोकना स्थित भगवान विष्णु मंदिर परिसर में दोनों पक्षों के लोगों की मौजूदगी में वैदिक रीति-रिवाज से दोनों का विवाह संपन्न करा दिया गया।

क्रांतिसूर्य भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर जनजातीय गौरव सेवा सप्ताह का समापन



पालघर। क्रांतिसूर्य भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर जिला कलेक्टर कार्यालय, पालघर में आयोजित ह्यजनजातीय गौरव सेवा सप्ताह 2026 के अंतर्गत विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभ वितरण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

इस अवसर पर महाराष्ट्र के वन मंत्री एवं पालघर जिले के पालकमंत्री गणेश नाईक, पालघर के सांसद डॉ. हेमंत सवरा तथा जिला कलेक्टर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान आदिवासी समुदाय के पात्र लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ वितरित किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य जनजातीय समाज का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना, उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ना तथा उनके जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाना है। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज का सम्मान, उनके अधिकारों की रक्षा, शिक्षा, रोजगार एवं विकास के समान अवसर उपलब्ध कराना ही भगवान बिरसा मुंडा के विचारों और संघर्षों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर जनजातीय समाज के उत्थान और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए ऐसे प्रयास सामाजिक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

आईसीआईसीआई लाइफ बीएसई 500 मोमेंटम क्वालिटी 50 इंडेक्स फंड लॉन्च

ठाणे। आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस ने आईसीआईसीआई लाइफ बीएसई 500 मोमेंटम क्वालिटी 50 इंडेक्स फंड लॉन्च किया है। यह नया इक्विटी निवेश विकल्प कंपनी की ज्यादातर यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूलिप) के साथ उपलब्ध होगा। इस फंड के जरिये निवेशकों को मजबूत वित्तीय स्थिति और शेयर की कीमतों में सकारात्मक रुझान वाली कंपनियों में निवेश करने का अवसर मिलेगा। यह इंडेक्स फंड निवेशकों को लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न दिलाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इसके तहत बीएसई 500 की सूची में शामिल 50 ऐसे शेयरों का विविध पोर्टफोलियो बनाया जाएगा, जो दो प्रमुख मानकों- मोमेंटम और क्वालिटी पर बेहतर प्रदर्शन करते हैं। फंड के लॉन्च पर आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस के चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर मनीष कुमार ने कहा, आईसीआईसीआई लाइफ बीएसई 500 मोमेंटम क्वालिटी 50 इंडेक्स फंड निवेशकों को मजबूत कारोबारी मॉडल, कमाई की बेहतर संभावनाओं और शेयर की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी वाली कंपनियों में निवेश के जरिये लंबी अवधि में संपत्ति बनाने का प्रभावी अवसर देता है। खास बात यह है कि निवेशकों को ऐसी कंपनियों के पोर्टफोलियो में निवेश का मौका मिलेगा, जिनकी वित्तीय स्थिति मजबूत है। कंपनियों का चयन रिटर्न ऑन इक्विटी, डेट टू इक्विटी और प्रति शेयर आय (ईपीएस) जैसे वित्तीय मानकों के आधार पर किया जाता है। साथ ही, इन कंपनियों के शेयरों की कीमतों में पिछले 12 महीनों के दौरान अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह इंडेक्स फंड बाजार के उतार-चढ़ाव के बीच ग्राहकों को लंबी अवधि के निवेश से मिलने वाले कंपाउंडिंग के लाभ का फायदा उठाने में सक्षम बनाने की कंपनी की रणनीति के अनुरूप है। इसके जरिये ग्राहकों को एक व्यवस्थित निवेश विकल्प मिलेगा, जो लगातार होने वाली वृद्धि को उनके परिवार की दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा में बदलने में मदद करेगा। 30 सितंबर, 2026 तक बीएसई 500 मोमेंटम क्वालिटी 50 इंडेक्स ने सात साल की अवधि में 23.7% तक का रिटर्न दिया है। इसका मतलब है कि सात साल पहले निवेश किए गए एक लाख रुपये की कीमत आज बढ़कर 4.4 लाख रुपये हो गई होती। इसके अलावा, कारोबार के बुनियादी पहलुओं और बाजार के अवसरों में बदलाव के अनुसार फंड के पोर्टफोलियो को हर तिमाही में रीबैलेंस किया जाता है। गौरतलब है कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही में 99.3% का क्लेम सेटलमेंट रेशियो दर्ज किया है। वहीं, बिना जांच वाले दावों के निपटारे में औसतन 1.1 दिन का समय लगा। यह आंकड़े जरूरत के समय ग्राहकों और उनके परिवारों के साथ खड़े रहने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं। आईसीआईसीआई लाइफ बीएसई 500 मोमेंटम क्वालिटी 50 इंडेक्स फंड कंपनी की ज्यादातर यूलिप योजनाओं के साथ उपलब्ध होगा। इनमें आईसीआईसीआई लाइफ प्रोटेक्ट एन गेन, आईसीआईसीआई लाइफ सिग्नेचर एश्योर, आईसीआईसीआई लाइफ सिग्नेचर, आईसीआईसीआई लाइफ प्लेटिनम और आईसीआईसीआई लाइफ वेल्थ एलीट प्रो शामिल हैं।

बाल सुरक्षा का संदेश लेकर दौड़ी मुंबई मेट्रो



मुंबई । बाल लैंगिक शोषण की रोकथाम और उन्मूलन के लिए कार्यरत विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित गैर-लाभकारी संस्था अर्पण ने अपने वार्षिक जन-जागरूकता अभियान 'बाल सुरक्षा सप्ताह 2026' के आठवें संस्करण के लिए मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) और महा मुंबई मेट्रो ऑपरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएमएमओसीएल) के साथ साझेदारी की है। इस वर्ष का अभियान 'रुकजाओवर नापोक्सोपकड़लेगा' अपराधियों को एक स्पष्ट और सख़्त चेतावनी देता है कि बच्चों के खिलाफ किसी भी प्रकार का लैंगिक अपराध पोक्सो कानून के तहत दंडनीय है और दोषियों को कानून के सामने जवाबदेह ठहराया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को यह समझाना है कि कौन-से व्यवहार बाल लैंगिक शोषण की श्रेणी में आते हैं, ताकि लोग कानून को सरलता से समझें, सतर्क रहें और ऐसे मामलों की निडर होकर रिपोर्ट करें। पिछले वर्ष की सफल साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए, यह पहल अर्पण के बाल सुरक्षा संदेशों को सीधे मुंबई के सार्वजनिक परिवहन तंत्र तक पहुँचाती है। इस सहयोग के अंतर्गत मुंबई मेट्रो की लाइन 2A और 7 पर चलने वाली एक मेट्रो ट्रेन को गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। ट्रेन के सभी छह डिब्बों में 'रुकजाओ वर नापोक्सोपकड़लेगा' के संदेश और क्रिएटिव लगाए गए हैं, जो पोक्सो अधिनियम के तहत दंडनीय छह कृत्यों को प्रमुखता से उजागर करते हैं। इन छह दंडनीय कृत्यों में बच्चे को अनुचित तरीके से देखना, बच्चे को अनुचित तरीके से छूना, बच्चे को अनुचित सामग्री दिखाना, बच्चे की अनुचित तस्वीरें खींचना, बच्चे से अनुचित फोटो या वीडियो माँगना, तथा बच्चों की अनुचित फोटो या वीडियो डाउनलोड करना, सेव करना या शेयर करना शामिल हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि कान्हुराज बगाटे, आईएएस, प्रबंध निदेशक, एमएमएमओसीएल द्वारा किया गया। इस अवसर पर अर्पण की संस्थापक एवं सीईओ पूजा तापड़िया भी उपस्थित रहीं। उद्घाटन के पश्चात गणमान्य व्यक्तियों और अर्पण की टीम ने गुंदवली से आरे स्टेशन तक मेट्रो में यात्रा की और डिब्बों में लगे जागरूकता क्रिएटिव का अवलोकन किया। कान्हुराज बगाटे, आईएएस, प्रबंध निदेशक, महा मुंबई मेट्रो ऑपरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएमएमओसीएल) ने कहा, ₹बच्चों की सुरक्षा जागरूकता से शुरू होती है—चाहे घर हो, स्कूल या सार्वजनिक परिवहन। अर्पण के बाल सुरक्षा सप्ताह के साथ हमारा जुड़ाव बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण बनाने की एमएमआरडीए की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। 'रुकजाओवरनापोक्सोपकड़लेगा'

कल्याणी चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से भव्य छठ पूजा का आयोजन, श्रद्धालुओं से सपरिवार शामिल होने की अपील

घाटकोपर में 15 एवं 16 नवंबर को होगा धार्मिक आयोजन, छठी मैया की आराधना के लिए जुटेंगे श्रद्धालु

मुंबई(उत्तरशक्ति)। लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर कल्याणी चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से घाटकोपर (पूर्व), मुंबई में भव्य छठ पूजा समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह धार्मिक कार्यक्रम 15 नवंबर (रविवार) से 16 नवंबर (सोमवार) 2026 तक आयोजित होगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष अजय सदानंद बागल ने बताया कि कार्यक्रम शाम 4 बजे से सुबह 7 बजे तक चलेगा। इस दौरान छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं के लिए पूजा-अर्चना और छठी मैया की आराधना की विशेष व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम का आयोजन साईं निवास, घाटकोपर बस डिपो के आगे, ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे के पास, घाटकोपर (पूर्व), मुंबई में किया जाएगा।

आयोजन को सफल बनाने में मनोज सिंह, संजीव त्रिपाठी, दिलीप सिंह, अजय सिंह (मुन्ना भाई), सुनील सिंह, संतोष पाठक, हरिहर यादव, धर्मेंद्र गिरी, डॉ. ममता सिंह, उमा दुबे, सविता दुबे, धनश्री बागल एवं कविता देशमुख सहित ट्रस्ट के अन्य सदस्य सक्रिय सहयोग कर रहे हैं। ट्रस्ट अध्यक्ष ने सभी श्रद्धालुओं से सपरिवार इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन में शामिल होकर छठी मैया का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

भारत की जनगणना2027 के संबंध में जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन की जनपदवासियों से अपील

बलरामपुर। जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन ने बताया कि भारत की जनगणना 2027 हमारे देश के समग्र विकास, भविष्य की योजनाओं एवं नीतियों के निर्धारण का एक अत्यंत महत्वपूर्ण आधार है। जनगणना केवल एक सरकारी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह देश के भविष्य की दिशा तय करने एवं विकास की प्राथमिकताओं को निर्धारित करने के लिए महत्वपूर्ण आंकड़े उपलब्ध कराती है। जनगणना में प्रत्येक जनमानस की सहभागिता एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। जिलाधिकारी ने बताया कि इस बार भारत की जनगणनाझ्र2027 को पूर्णतः डिजिटल स्वरूप में आयोजित किया जा रहा है। इसकी एक महत्वपूर्ण विशेषता स्वगणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) की सुविधा है, जिसके माध्यम से जनमानस स्वयं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपने परिवार से संबंधित आवश्यक जानकारियां दर्ज कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सामान्यतः जनगणना के दौरान प्रगणक घर-घर जाकर परिवार के सदस्यों से विभिन्न प्रश्न पूछकर आवश्यक जानकारियां एकत्रित करते हैं। इस बार स्वगणना की सुविधा के माध्यम से जनमानस स्वयं ऑनलाइन निर्धारित प्रश्नों के उत्तर दर्ज कर सकते हैं। स्वगणना की प्रक्रिया पूर्ण होने पर एक यूनिक आईडी प्राप्त होगी, जिसे जनमानस को सुरक्षित रखना होगा।

हिमेश रेशमिया और आयुष्मान खुराना ने अपने पिता को लेकर साझा किया भावुक पल

पटना। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के इंडियन आइडल लीजेंड्स रिटर्न में एक भावुक बातचीत देखने को मिली, जब संगीतकार हिमेश रेशमिया, फिल्म निमार्ता सूरज बड़जात्या और अभिनेता आयुष्मान खुराना अपनी आगामी फिल्म ये प्रेम मोल लिया के संगीत पर चर्चा करने के लिए एक साथ आए। फिल्म की एक रचना के पीछे की कहानी पर बात करते हुए हिमेश अपने पिता को याद कर भावुक हो गए। वहीं, इसी तरह की व्यक्तिगत क्षति का अनुभव कर चुके आयुष्मान भी इस पल से गहराई से जुड़ गए और उन्होंने अपने पिता से जुड़ी यादों को साझा किया। हिमेश की भावुक अभिव्यक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए आयुष्मान ने कहा कि मैं ये कहना चाहता हूं कि हिमेश की आंखों में आंसू हैं। इनको इमोशनल मैंने पहली बार देखा है। हिमेश ने जवाब देते हुए बताया कि कैसे गाने लिखने से अक्सर उनके पिता की यादें ताजा हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि जब भी ये गाना बनाता हूं, सूरज जी को भी पता है कि मुझे मेरे डैड याद आते हैं।

सिग्निफाय ने स्मार्ट वॉटर हीटर और ओएफआर रूम हीटर के साथ ईकोलिंक पोर्टफोलियो का विस्तार किया



मुंबई। लाइटिंग क्षेत्र की वैश्विक कंपनी सिग्निफाय ने भारत में ईकोलिंक ब्रांड के तहत स्मार्ट वॉटर हीटर और विंटरकम्फर्ट ऑयल-फिल्ड रेडिएटर (ओएफआर) रूम हीटर लॉन्च किए हैं। नई रेंज में सुरक्षा, ऊर्जा दक्षता और टिकाऊपन पर ध्यान है। सिग्निफाय (ग्रेटर इंडिया) के सीईओ और एमडी सुमित जोशी ने कहा, नई हीटिंग रेंज भारतीय घरों की जरूरतों और खारे पानी जैसी चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। हमारा उद्देश्य ऐसे बेहतर उत्पाद देना है, जिन पर परिवार लंबे समय तक भरोसा कर सकें। कंपनी के हेड ऑफ कंज्यूमर बिजनेस सी. अरुण कुमार ने कहा, ईकोलिंक की नई रेंज ग्राहकों की कार्यक्षमता, टिकाऊपन, उपयोग में आसानी और डिजाइन संबंधी अपेक्षाओं को ध्यान में रखकर बनाई गई है। ईकोलिंक वॉटर हीटर रेंज में स्टोरेज और इंस्टेंट मॉडल शामिल हैं। थर्मोक्वाड स्मार्ट मॉडल 15 और 25 लीटर क्षमता में उपलब्ध है। इसमें विझ ऐप कनेक्टिविटी के साथ अमेजन एलेक्सा, गूगल असिस्टेंट और ऐप्पल सिरी शॉर्टकट्स के जरिए वॉइस कंट्रोल मिलता है। ग्राहक दूर से हीटर चालू कर उसका समय तय कर सकते हैं। स्टोरेज रेंज में 10, 15 और 25 लीटर के थर्मोक्वाड स्क्वायर तथा थर्मोवॉल्ट वर्टिकल सिलेंडर मॉडल हैं, जिन्हें बीईई की 5-स्टार रेटिंग मिली है। थमोगो इंस्टेंट हीटर 1, 3 और 5 लीटर विकल्पों में उपलब्ध हैं। स्टोरेज हीटर में ग्लासवॉल्ट ग्लास-इनेमल कोटिंग वाला टैंक जंग से सुरक्षा देता है। ड्यूराकोर इन्कोलॉय 800 निकेल-क्रोमियम हीटिंग एलिमेंट खारे पानी में टिकाऊपन प्रदान करता है, जबकि हीटलॉक पॉलीयूरेथेन फोम इन्सुलेशन पानी को लंबे समय तक गर्म रखता है। इनमें थर्मल कट-ऑफ, प्रेशर रिलीज, ओवरहीटिंग व ड्राई हीटिंग से सुरक्षा, 2 किलोवाट हीटिंग और 8 बार प्रेशर क्षमता, तापमान डिस्प्ले व टच कंट्रोल दिए गए हैं। विंटरकम्फर्ट ओएफआर हीटर डिजिटल और एनालॉग मॉडल में उपलब्ध हैं। डिजिटल मॉडल में 11 जेड-आकार के फिन्स, कंट्रोल पैनल व आरएफ रिमोट है। एनालॉग मॉडल 11 और 13 फिन्स में आते हैं तथा इनमें थर्मोस्टेट, 360 डिग्री घूमने वाले पहिये और कॉर्ड वाइंडर हैं। सुपर टर्बो पीटीसी तकनीक के साथ अतिरिक्त सिरेमिक हीटिंग एलिमेंट दिया गया है। एनालॉग मॉडल का कुल आउटपुट 2,900 वॉट और डिजिटल मॉडल का 2,700 वॉट है। ईको (1,000 वॉट), कोजी (1,500 वॉट) और बूस्ट (2,500 वॉट) मोड के साथ टिप-ओवर ऑटो कट-ऑफ, थर्मल प्रोटेक्शन और तेल रिसाव रोकने वाली सेफस्टोर सुविधा भी है। नई रेंज सिग्निफाय के डी2सी चैनल्स, अमेजन इंडिया, फिलिप्स स्मार्ट लाइट हब और प्रमुख रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध होगी। इंस्टेंट वॉटर हीटर की शुरूआती कीमत 5,999 रुपये, स्टोरेज हीटर की 13,999 रुपये और ओएफआर हीटर की 16,999 रुपये है।

सात्विकता की सुगंध से महका घर-आंगन, आज खरना

नहाय-खाय के साथ घर-आंगन में छठ की पवित्रता और उल्लास, गेहूं सुखाने से लेकर सूप-दउरा सजाने तक तैयारियों में जुटे व्रती परिवार



वाराणसी। आस्था जब अनुशासन बनती है और प्रकृति स्वयं आराध्य हो उठती है, तब छठ महापर्व का स्वरूप सामने आता है। लोकविश्वास, शुचिता, तप और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक चार दिवसीय महापर्व शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। सुबह से ही घरों में छठ की तैयारियों की चहल-पहल रही। कहीं घर-आंगन की साफ-सफाई हुई तो कहीं स्नान के बाद पवित्रता के साथ व्रत का संकल्प लिया गया। रसोई में अरवा चावल, चने की दाल और कद्दू की सात्विक सब्जी की सुगंध ने पर्व के आगमन का अहसास कराया। भगवान सूर्य को भोग अर्पित करने के बाद व्रतियों ने प्रसाद ग्रहण कर अनुष्ठान का श्रीगणेश किया। छठ की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सादगी और कठोर साधना है। इसमें आडंबर से अधिक पवित्रता, प्रदर्शन से अधिक समर्पण और व्यक्तिगत कामना से अधिक परिवार एवं समाज के मंगल की भावना प्रधान होती है। घरों में छठ के पारंपरिक गीत गूंजने लगे हैं। गेहूं को धोकर सुखाने, प्रसाद के लिए शुद्धता बरतने और बांस के सूप-दउरा में पूजन सामग्री सजाने का सिलसिला शुरू हो गया है। बाजारों में भी फल, नारियल, गन्ना, अदरक, हल्दी, सुथनी, शकरकंद और पूजा की अन्य सामग्रियों की खरीदारी को लेकर रौनक बढ़ने लगी है। महापर्व के दूसरे दिन शनिवार को खरना होगा। व्रती पूरे दिन उपवास रखकर शाम को स्नान के बाद भगवान सूर्य और छठी मैया की पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद मिट्टी के चूल्हे पर आम की लकड़ी से तैयार गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद ग्रहण करेंगे। परिवार और आसपास के लोगों में भी खरना का प्रसाद वितरित किया जाएगा। खरना का प्रसाद ग्रहण करने के साथ ही व्रतियों का लगभग 36 घंटे का निर्जला उपवास आरंभ हो जाएगा। इस दौरान अन्न और जल का त्याग कर व्रती पूरी निष्ठा से सूर्योपासना करेंगे। रविवार 15 नवंबर को महापर्व का सबसे भावपूर्ण दृश्य सामने आएगा। व्रती सूप और दउरा में ठेकुआ, फल, नारियल, गन्ना और अन्य पूजन सामग्री सजाकर गंगा घाटों, सरोवरों और जलाशयों की ओर प्रस्थान करेंगे। अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु और लोकमंगल की कामना करेंगे। जल में खड़े होकर डूबते सूर्य को अर्घ्य देने का दृश्य आस्था और प्रकृति के अद्भुत संबंध को अभिव्यक्त करेगा। घाटों पर छठ गीतों की गूंज और दीपों की रोशनी वातावरण को भक्तिमय बनाएगी। सोमवार 16 नवंबर को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ चार दिवसीय अनुष्ठान पूर्ण होगा। उगते सूर्य की पहली किरण के साथ व्रती अपने आराध्य को अंतिम अर्घ्य देंगे और इसके बाद पारण कर निर्जला व्रत का समापन करेंगे। छठ को लेकर काशी के गंगा घाटों से लेकर तालाबों और कुंडों तक व्यवस्थाएं दुरुस्त करने में नगर निगम जुटा है। नमो घाट से सामने घाट तक प्रमुख घाटों पर सफाई, प्रकाश, सुरक्षा, पहुंच मार्ग और अन्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए गए हैं। घाटों के निरीक्षण के लिए जोनल अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं 13 नवंबर को दशाश्वमेध, राजेंद्र प्रसाद और मानमंदिर घाटों पर नगर निगम एवं नमामि गंगे की ओर से विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर गंगा में जमा कचरा और पॉलीथिन हटाई गई। श्रद्धालुओं से प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने की अपील भी की गई। चार दिनों तक चलने वाला यह महापर्व केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि लोकसंस्कृति की जीवंत विरासत है।